सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 321 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 04 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर महापौर को गाली देने वाले युवक पर एफआईआर

रायपुर। महापौर मीनल चौबे को सोशल मीडिया पर गाली देने के मामले में अब पुलिस ने स्वङ्कदर्ज कर ली है। जलभराव और सड़क निर्माण के मुद्दे को लेकर बनाए गए एक वीडियो में युवक ने महापौर के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा पार्षद दल ने इसका विरोध करते हुए सिविल लाइन थाने में शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर वीडियो पोस्ट करने वाले युवक की पहचान शुरू कर दी है। फ्लिहाल युवक की पहचान और वीडियो के संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ के सहकारी बैंकों में 1360 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल्द 5 सहकारी बैंक क्षेत्रों में कुल 1360 पदों पर भर्ती होगी। इनमें 198 पद जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के हैं, जबकि 1162 पद समिति प्रबंधकों के हैं। सबसे ज्यादा भर्ती रायपुर क्षेत्र में 508 पदों पर होगी। इसके बाद बिलासपुर में 444, बस्तर-जगदलपुर में 187, दुर्ग-राजनांदगांव में 154 और रायगढ़ में 67 पद भरे जाएंगे। भर्ती में सबसे बड़ा हिस्सा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों यानी पैक्स का है। यहां समिति प्रबंधक के 1162 पद भरे जाएंगे। इनमें 596 पदों पर सीधी भर्ती होगी, जबकि 566 पद सीमित चयन के जरिए भरे जाएंगे। यानी युवाओं के लिए सीधे आवेदन कर नौकरी पाने का बड़ा मौका रहेगा।

दुर्ग में एक दिन में स्वाइन फ्लू के 5 नए मरीज

दुर्ग। जिले में स्वाइन फ्लू यानी इन्फ्लुएंजा एच1एन1 का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की 3 सितंबर की रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। एक ही दिन में 5 नए मरीजों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके साथ ही 5 अगस्त से अब तक जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। नए मिले मरीजों में 2 को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 3 मरीजों को घर पर अलग रखकर इलाज किया जा रहा है। फ्लिहाल जिले में 10 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें 7 अस्पतालों में भर्ती हैं और 3 घर पर रहकर डॉक्टरों की निगरानी में हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सभी मरीजों की हालत अभी सामान्य है। जिले में इलाज करा रहे सभी 10 मरीजों की हालत सामान्य बताई गई है।

नवी मुंबई में नाबालिग का स्कूल बस में यौन शोषण

मुंबई। नवी मुंबई के कामोठे में एक निजी स्कूल बस में तीन साल की बच्ची के साथ यौन शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बस के 30 वर्षीय ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, बच्ची कामोठे स्थित एक निजी स्कूल में किंडरगार्टन कक्षा में पढ़ती है और रोजाना स्कूल आने-जाने के लिए निजी बस का इस्तेमाल करती थी। बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे ड्राइवर बच्चों को स्कूल से उनके घर छोड़ने के लिए बस लेकर निकला था। रास्ते में बच्चे एक-एक करके अपने घर के पास उतरते गए।

कवर्धा में पुलिस कप्तान की पहल : अब हर थाने में एसपी ऑफिस, लोग सीधे कर सकेंगे शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले में पुलिसिंग को आम लोगों के और करीब लाने के लिए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने नई पहल शुरू की है। अब लोगों को अपनी शिकायत लेकर हर बार जिला मुख्यालय स्थित एसपी कार्यालय आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 'एक थाना-एक सप्ताह' पहल के तहत हर सप्ताह जिले का एक थाना एक दिन के लिए एसपी कार्यालय बनेगा।

एसपी खुद पूरे दिन संबंधित थाने में मौजूद रहकर आम लोगों की शिकायतें सुनेंगे और क्षेत्र की पुलिसिंग की समीक्षा करेंगे। इस अभिनव पहल की शुरुआत थाना सहसपुर लोहारा से हुई। एसपी ने थाने में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और आम नागरिकों से सीधे संवाद किया। लोगों की समस्याएं और सुझाव सुनने के साथ ही एसपी जितेन्द्र यादव ने संबंधित अधिकारियों को इन मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

महिला सुरक्षा से साइबर अपराध तक फोकस

पहल के दौरान महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, यातायात व्यवस्था, नशे और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण जैसे मुद्दों की भी समीक्षा होगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से संवाद कर पुलिस को जमीनी स्तर की समस्याओं की जानकारी मिलेगी।एसपी केवल आम लोगों की शिकायतें ही नहीं सुनेंगे, बल्कि थाने में पदस्थ पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों से भी व्यक्तिगत और विभागीय समस्याओं पर चर्चा करेंगे। उनका कहना है कि बेहतर कार्य वातावरण और पुलिसकर्मियों का मनोबल प्रभावी पुलिसिंग की अहम कड़ी है। सहसपुर लोहारा के बाद अगले सप्ताह थाना कुंडा में पुलिस अधीक्षक स्वयं मौजूद रहेंगे। इसके बाद प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग थानों में पहुंचकर जनसुनवाई करेंगे।

यूपी में 23 जिलों में बाढ़, 16 हजार लोगों का हुआ रेस्क्यू, छत्तीसगढ़ में भी अलर्ट

एमपी में मंदाकिनी-नर्मदा उफान पर; बिहार में 5 लाख प्रभावित, हिमाचल में अबतक 266 मौतें

नईदिल्ली ए.। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से रेस्क्यू किया जा चुका है। इधर छत्तीसगढ़ में भी मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है।

मानसून ने देशभर में कहर बरपा रखा है। बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पटना सुरक्षा दीवार के सभी 108 रास्तों को बंद कर दिया गया है।

मंदाकिनी और नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर

मध्य प्रदेश में मंदाकिनी और नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, छतरपुर, सतना, मंडला, मैहर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। छतरपुर के कुटनी और जबलपुर के बरगी बांध से पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 266 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 158 मौतें सड़क हादसों, 18 लैंडस्लाइड, 13 डूबने और एक मौत फ्लैश फ्लड के कारण हुई है। वहीं, अन्य मौतें अलग-अलग कारणों से हुई हैं।

छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने का खतरा

छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों तक उत्तर, मध्य और पश्चिमी जिलों में बारिश का दौर जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी है। शुक्रवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और कहीं-कहीं बिजली गिरने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 1 जून से 3 सितंबर तक औसतन 944.7 मिमी (37.2 इंच) बारिश हुई है। इस अवधि में सामान्य बारिश 962.6 मिमी (37.9 इंच) मानी गई है। यानी प्रदेश में सामान्य से 17.9 मिमी (0.7 इंच) कम बारिश हुई है। हालांकि, यह पूरे प्रदेश का औसत आंकड़ा है। जिलों को अलग-अलग देखें तो बारिश में काफी अंतर है। बलरामपुर में सबसे ज्यादा 1433.1 मिमी (56.4 इंच) बारिश हुई, जो सामान्य से 75त्न ज्यादा है। वहीं बेमेतरा में सबसे कम 536.7 मिमी (21.1 इंच) बारिश हुई, जो सामान्य से 39 फीसदी कम है।

इंडिगो प्लेन पोल से टकराया, पार्किंग के लिए ले जाते समय खंभे में घुसा

आगे का हिस्सा टूटा सभी यात्री सुरक्षित

श्रीनगर। श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो का विमान 6ई 225 पार्किंग के दौरान खंभे से टकरा गया। फ्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। घटना करीब सुबह 9 बजे बे नंबर-6 पर विमान को पार्क करते समय हुई। विमान में सवार सभी 200 यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

घटना के बाद यात्रियों और क्रू को मैनुअल एयरक्राफ्ट सीढ़ियों की मदद से विमान से सुरक्षित उतारा गया। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फ्लिहाल श्रीनगर एयरपोर्ट का संचालन सामान्य है और सभी फ्लाइट्स निर्धारित समय के अनुसार चल रही हैं। विमान जिस खंभे से टकराया, वह विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम का हिस्सा है। यह सिस्टम विमान को पार्किंग बे में सही जगह लाने और सुरक्षित तरीके से पार्क कराने में मदद करता है।

निगरानी बदमाश रवि निगम को कलेक्टर ने किया जिला बदर, एक साल तक प्रवेश वर्जित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपी रवि निगम निवासी रावण भाठा सुपेला को कलेक्टर अभिजीत सिंह ने एक साल के लिए जिलाबदर कर दिया है। छग राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(ख) के तहत जारी आदेश के मुताबिक आरोपी को एक सप्ताह के भीतर दुर्ग और उसके सीमावर्ती जिलों की सीमाओं से बाहर जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाबदर की अवधि में रवि दुर्ग के अलावा रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़- छुईखदान- गंडई , राजनांदगांव, बालोद और धमतरी जिले की सीमा में जिला दंडाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना प्रवेश नहीं कर सकेगा।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रवि निगम पिछले 12 वर्षों से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। उसके खिलाफ बलवा, रास्ता रोककर डराने- धमकाने, मारपीट, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और हथियार दिखाकर लोगों में भय पैदा करने जैसे मामले दर्ज हैं। थाना सुपेला में 2013, 2018 और 2023, थाना नंदिनी नगर में 2022 में आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए। पुलिस ने उसके खिलाफ समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इसके बावजूद उसके आचरण में सुधार नहीं आया। पुलिस के अनुसार उसके भय के कारण लोग शिकायत और गवाही देने से भी डरते हैं। एसपी की रिपोर्ट, गवाहों के बयान और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद कलेक्टर ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और लोकशांति बनाए रखने के लिए जिलाबदर की कार्रवाई की।

नेपाल बाढ़-9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर

काठमांडू। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है।

पाकिस्तान को धूल चटाने उतरेगा भारत महिला एशिया कप में कल होगी भिड़ंत

भारतीय टीम पहले ही पहुंच चुकी है सेमीफाइनल में

नईदिल्ली ए.। भारतीय महिला टीम का एशिया कप में सामना अब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमों के बीच ग्रुप चरण का यह मुकाबला शनिवार को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय महिला अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और वह बस अब औपचारिकता के लिए मैदान पर उतरेगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड एकतरफा है। लेकिन जब भी दोनों टीमें एक दूसरे का सामना करती हैं तो वो मैच बेहद रोमांचक होता है।

हारा तो प्रतियोगिता से बाहर होगा पाकिस्तान

इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय टीम इस मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत ने पहले दो मैचों में भले ही शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन उसमें कुछ जगह सुधार की भी जरूरत है। एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है।

वित्तीय अनियमितता पर प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी निलंबित

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों के बिजली बिल की राशि में गड़बड़ी के मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी जोईधा राम डहरिया को निलंबित कर दिया है। जोईधा राम डहरिया पहले महासमुंद जिले के बसना में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर थे। विभागीय आदेश में इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता माना गया है। मामले में समीक्षा के बाद विभाग ने माना कि डहरिया ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से पालन नहीं किया। निलंबन अवधि में डहरिया का मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा, रायपुर का कार्यालय रहेगा।

संपादकीय

तुरत-फुरत का कारोबार

ई-कॉमर्स में भरोसेमंद रोजगार अवसर बनें

हाल के वर्षों में देश में खरीदारी का परिदृश्य, ई-कॉमर्स के चलते पूरी तरह बदल गया है। कह सकते हैं कि इसकी अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रही है। जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई शोध परामर्शदात्री 'इन्फिसम' की नवीनतम रिपोर्ट में उजागर होती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि ई-कॉमर्स की अगली लहर किसी सीमा तक छोटे शहरों, स्थानीय पसंद, स्थानीय भाषाओं में कंटेंट और सस्ते लॉजिस्टिक पर भी निर्भर करेगी।

> निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है।

हालांकि, परंपरागत बाजार इसे अपने अस्तित्व के लिये बड़ी चुनौती मान रहा है। नई पीढ़ी के ग्राहक मोबाइल पर उत्पाद की कीमतें छानकर परंपरागत दुकानदारों से भाव-तौल करने में आगे हैं। उन्हें पता होता है कि किसी उत्पाद की ऑनलाइन कीमत क्या है और दुकान में वह सामान किस भाव मिल रहा है। निस्संदेह, इस ई-कॉमर्स के विस्तार से हमारा परंपरागत बाजार प्रभावित हुआ है। कई मॉलों व परंपरागत बाजारों में पहले जैसी रौनक नहीं रह गई है। लेकिन ई-कॉमर्स का एक लाभ यह भी है कि लोगों को भीड़-भाड़ व ट्रैफिक जाम में फंसने के बजाय आसानी से वक्त-बेवक्त सामान घर पर उपलब्ध हो जाता है। निस्संदेह, ई-कॉमर्स ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया है। कई ई-कॉमर्स कंपनियां कड़े कंप्टीशन का सामना कर रही हैं। इस बाजार में ब्लिंकइट अब भी सबसे आगे है। इस दौड़ में फिर जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट भी शामिल हैं। इस ई-कॉमर्स बाजार में पहले से मौजूद रिटेलर्स और आने वाले प्रतियोगी अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। जिसका मकसद कार्यप्रणाली में तेजी लाकर मुनाफा बढ़ाना है। आने वाले समय में तकनीक इस सेक्टर में बड़े परिवर्तन ला सकती है। उम्मीद करें कि भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से रिटेल की उत्पादकता में काफी सुधार होगा। बहुत संभव है कि आने वाले समय में एआई शॉपिंग असिस्टेंट, कन्वर्सेशनल कॉमर्स और वर्चुअल ट्राई-ऑन से ग्राहकों के उत्पाद खोजने का तरीका बदल सकता है। लेकिन विकास दर को सिर्फ ऑर्डर, स्टोर या डिलीवरी के समय के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। इसमें नियमन की जरूरतें और मुनाफे का दबाव अभी भी एक गंभीर चिंता है। देश में गिग इकॉनमी का तेजी से विस्तार तो हुआ है, लेकिन वर्कर के मेहनताने व सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। देश में ई-कॉमर्स के इस मौके का स्वागत तो करना चाहिए, लेकिन सिर्फ ग्रोथ के पीछे भागना ही लक्ष्य न हो। असली परीक्षा बिजनेस तकनीकी इनोवेशन और ग्राहकों की सुविधा के साथ स्थायी आर्थिकी की होगी। साथ ही रोजगार के विश्वसनीय अवसरों के साथ ज्यादा लोगों तक पहुंचा जा सके। निस्संदेह, तेजी से फलते-फूलते इस बाजार की नींव भी, इसकी महत्वाकांक्षाओं जितनी मजबूत होनी चाहिए।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं।

यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी।

शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है।

शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था।

स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है।

राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं।

लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल' बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें।

विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

(लेखक भारत की राष्ट्रपति हैं।)

कागजों की जांच-पड़ताल से बड़ा है मताधिकार

विवेक शर्मा

मतदाता सूची में एक गलत नाम रह जाना समस्या है, लेकिन एक सही मतदाता का नाम गलती से बाहर हो जाना उससे बड़ी समस्या है। इसलिए एसआईआर में दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। जांच कड़ी हो, लेकिन तरीका मानवीय हो। दस्तावेज मांगे जाएं, लेकिन उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड की भी मदद ली जाए। मतदाता सूची को सही रखना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। मृत लोगों के नाम हटने चाहिए। जो लोग कहीं और चले गए हैं, उनका रिकॉर्ड ठीक होना चाहिए। एक व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज है तो उसे भी सुधारा जाना चाहिए। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सही और भरोसेमंद बनाना है। लेकिन इस काम के बीच आम मतदाता इतना न उलझ जाए कि उसे अपने ही मताधिकार को लेकर चिंता होने लगे। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली में एसआईआर को लेकर गहमागहमी है। सभी जगह इसकी प्रक्रिया एक साथ नहीं चल रही। पुराने मतदाता रिकॉर्ड का इस्तेमाल सत्यापन के लिए किया जा रहा है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 2002 की मतदाता सूची महत्वपूर्ण है, जबकि पंजाब में 2003 की सूची को आधार बनाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में यह प्रक्रिया बाद के चरण में होगी।

मुश्किल यह है कि 2002 या 2003 आज से करीब ढाई दशक पुरानी बात है। उस समय की हर जानकारी हर परिवार के पास सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं। इतने वर्षों में लोग घर और शहर बदल चुके हैं। कई परिवार दूसरे राज्यों में जाकर बस गए हैं। पुराने सरकारी रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी, उम्र या पते में अंतर भी हो सकता है। ऐसे में पुराने और मौजूदा रिकॉर्ड का पूरी तरह मेल न खाना अपने आप में किसी मतदाता को गलत साबित नहीं करता। दिल्ली में करीब 33 लाख मतदाताओं के रिकॉर्ड में विसंगतियां सामने आई हैं। इनमें करीब 14 लाख मतदाताओं का विवरण 2002 की एसआईआर सूची से नहीं जुड़ पाया, जबकि करीब 19 लाख मामलों में अन्य विसंगतियां मिली हैं। इनमें मौजूदा और पुराने रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी अलग होने जैसे मामले भी शामिल हैं। इन मतदाताओं को अपनी पात्रता स्पष्ट करने का अवसर दिया जाएगा।

पंजाब के पूर्व राजनयिक नवदीप सूरी का मामला इस परेशानी को समझने का एक उदाहरण है। वर्ष 2003 में वह भारत में नहीं थे, बल्कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में तैनात थे। पंजाब में एसआईआर के दौरान उनका मौजूदा विवरण 2003 के पुराने मतदाता रिकॉर्ड से नहीं मिल पाया। उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने का नोटिस मिला। हालांकि उनका नाम मतदाता सूची से हटाया नहीं गया था। बाद में यह मामला सुलझ गया। फिर भी सवाल महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति उस समय देश में ही नहीं था, उससे उस समय की मतदाता सूची में अपने नाम का मिलान कैसे कराया जाए? प्रक्रिया में ऐसी परिस्थितियों के लिए स्पष्ट और आसान रास्ता होना चाहिए। यह परेशानी केवल किसी पूर्व राजनयिक की नहीं है। देश में लाखों लोग नौकरी, कारोबार या दूसरे कारणों से वर्षों तक एक जगह से दूसरी जगह जाते रहे हैं। कई परिवारों ने पुराने घर छोड़ दिए। कई लोग दूसरे राज्यों में बस गए। ऐसे में करीब 24 साल पुराने रिकॉर्ड को आज की पहचान से जोड़ना हमेशा आसान नहीं हो सकता।

सरकारी रिकॉर्ड में भी गलतियां हो सकती हैं। नाम की वर्तनी बदल सकती है। पते में अंतर हो सकता है। इसलिए जहां नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपनी जानकारी सही दे और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत करे, वहीं सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी भी है कि वह अपने पास मौजूद रिकॉर्ड से तथ्यों की पुष्टि करे।

एसआईआर का विरोध करना समाधान नहीं है। साफ और सही मतदाता सूची हर चुनाव की पहली जरूरत है। लेकिन सही सूची बनाने का अर्थ यह भी है कि कोई पात्र मतदाता केवल इसलिए बाहर न रह जाए क्योंकि 2002 या 2003 के रिकॉर्ड में उसका नाम नहीं मिला या उसकी जानकारी में मामूली अंतर था। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अपना नाम मतदाता सूची में जांचना चाहिए। कोई गलती या कमी हो तो तय समय में दावा या आपत्ति दर्ज करनी चाहिए। लेकिन प्रशासन को भी यह प्रक्रिया इतनी सरल रखनी होगी कि आम आदमी उसे आसानी से समझ सके और पूरा कर सके। पुराने रिकॉर्ड की जानकारी न होने को केवल नागरिक की गलती मान लेना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में एक गलत नाम रह जाना समस्या है, लेकिन एक सही मतदाता का नाम गलती से बाहर हो जाना उससे बड़ी समस्या है। इसलिए एसआईआर में दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। जांच कड़ी हो, लेकिन तरीका मानवीय हो। दस्तावेज मांगे जाएं, लेकिन उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड की भी मदद ली जाए। लोकतंत्र में मतदाता किसी फाइल का एक नंबर नहीं है। वह उस व्यवस्था का केंद्र है। उसके वोट से सरकार बनती है और उसकी भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होता है।

भीड़ में भी अकेले होने की वैश्विक त्रासदी

डॉ. रितु सारस्वत

अकेलापन केवल इस बात का परिणाम नहीं है कि व्यक्ति के आसपास लोग नहीं हैं, बल्कि तब भी महसूस हो सकता है, जब उसे अपने संबंधों में वह जुड़ाव और आत्मीयता महसूस न हो, जिसकी उसे आवश्यकता है। लंबे समय तक बना रहने वाला यह अकेलापन व्यक्ति की भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। उसकी नींद और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है।

हाल ही में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया पर अपने कार्यालय का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि रात में काम करते हुए उन्हें वहां एक कॉकरोच दिखाई दिया। उन्होंने स्वयं उसे नहीं मारा और कुछ समय तक वह वहीं रहा। बाद में जब उनके स्टाफ ने उसे हटा दिया, तो उन्होंने लिखा—'राहत तो मिली, लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई।'

'लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई'—ये वे पंक्तियां हैं, जो मन में हजारों प्रश्नों को जन्म देती हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि क्या हम सब कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं? आखिर ऐसा क्यों है कि लोगों से भरी इस दुनिया में भी किसी एक की कुछ पलों की मौजूदगी हमारे अकेलेपन को भर देती है और उसकी अनुपस्थिति फिर उसी अकेलेपन का एहसास करा जाती है? क्या मनुष्य के लिए साथ की जरूरत केवल तब होती है, जब वह सचमुच अकेला हो, या भीड़ के बीच भी किसी अपने की उपस्थिति उतनी ही जरूरी होती है?

दरअसल, हम सभी एक बहुत बड़े असत्य को सत्य मान बैठे हैं और वह यह कि जो व्यक्ति प्रभुत्वशाली है, धनी है या फिर जो प्रसिद्ध है, वही इस संसार में सबसे सुखी है। सुख की हमारी यह परिभाषा हमें निरंतर एक ऐसी दौड़ में ले जाती है, जहां हम उपलब्धियों की ऊंचाइयों को ही जीवन की सार्थकता मान बैठे हैं। लेकिन क्या सचमुच जीवन में किसी मुकाम को हासिल कर लेना व्यक्ति को भीतर से वह खुशी, आत्मसंतोष और तृप्ति दे देता है, जिसकी तलाश में वह इस पूरी दौड़ में शामिल होता है?

फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद के एक अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि उस उपलब्धि की खुशी के बीच एक क्षण ऐसा आया, जब उनके मन में सवाल उठा—मैं आज रात क्या करूं? किसके घर जाऊं? किसका हाथ थामूं? मुझे खुशी महसूस करने के लिए पीठ पर एक छोटी-सी थपकी की जरूरत थी और मैं उसे चाहता था। उपलब्धि का यह क्षण अपने आप में बताता है कि खुशी का पूरा अर्थ उसे किसी के साथ साझा करने में ही है। अकेलापन केवल इस बात से तय नहीं होता कि हमारे आसपास कितने लोग हैं। असल सवाल यह है कि उन लोगों के बीच हम स्वयं को कितना जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। हमारे जीवन में ऐसे संबंधों की जरूरत होती है, जहां हम अपनी खुशी बांट सकें, अपने दुख को कह सकें और बिना किसी संकोच के अपने मन की बात रख सकें। शायद इसी वजह से भीड़ के बीच भी अकेलेपन का अनुभव उतना ही वास्तविक हो सकता है, जितना बिल्कुल अकेले रहने पर। इसी मानवीय आवश्यकता को अब वैश्विक स्तर पर भी गंभीरता से समझा जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सोशल कनेक्शन पर गठित आयोग की रिपोर्ट 'फ्रॉम लोनलीनेस टू सोशल कनेक्शन : चार्टिंग अ पाथ टू हेल्दियर सोसाइटीज' बताती है कि सामाजिक अलगाव और अकेलापन व्यापक समस्या बन चुके हैं और उनका प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य, कल्याण और समाज पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। रिपोर्ट सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए ठोस और व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले उपायों की आवश्यकता पर जोर देती है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग हर छह में एक व्यक्ति अकेलेपन का अनुभव करता है और यह समस्या किसी एक उम्र या समाज तक सीमित नहीं है। विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में इसका प्रसार अधिक है। रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि मजबूत सामाजिक संबंध केवल व्यक्ति के सुख और कल्याण के लिए ही नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा और व्यापक सामाजिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ये तो वे आंकड़े हैं, जो दर्ज किए गए हैं, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं व्यापक है।

सच यह है कि हम सभी भीड़ में कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं और शायद ही इस दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसने जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अकेलेपन को महसूस न किया हो। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जिस गंभीर प्रश्न पर चिंता व्यक्त की है, उस पर दशकों पूर्व 'द लोनली क्राउड' में सार्थक चर्चा की गई थी। 1950 में प्रकाशित यह पुस्तक आधुनिक समाज में व्यक्ति के सामाजिक जीवन और उसके भीतर बढ़ते अकेलेपन के विभिन्न पहलुओं को सामने लाती है। 'द लोनली क्राउड' बताती है कि लोगों के बीच रहना अपने आप में व्यक्ति को अकेलेपन से मुक्त क्यों नहीं कर पाता और सामाजिक जीवन का विस्तार होने के बावजूद व्यक्ति भीतर से अलग-थलग क्यों महसूस कर सकता है।

पुस्तक इस विरोधाभास की ओर संकेत करती है कि व्यक्ति समाज और भीड़ का हिस्सा होते हुए भी अपने भीतर एक ऐसे अकेलेपन का अनुभव कर सकता है, जिसे केवल लोगों की मौजूदगी से दूर नहीं किया जा सकता। अक्सर हम यह मान लेते हैं कि जीवन में सफलता, उपलब्धि और एक मुकाम हासिल कर लेने के बाद व्यक्ति को किसी के साथ की जरूरत कम हो जाती है। लेकिन मनोवैज्ञानिक रॉय बॉमिस्टर और मार्क लीरी के 1995 के शोध-पत्र 'द नीड टू बिलॉन्ग: डिजायर फॉर इंटरपर्सनल अटैचमेंट्स ऐज अ फंडामेंटल ह्यूमन मोटिवेशन' ने इस धारणा को एक अलग दृष्टिकोण दिया है। उनके अनुसार, मजबूत और स्थायी मानवीय संबंध बनाना और उन्हें बनाए रखना मनुष्य की एक मूलभूत मनोवैज्ञानिक आवश्यकता है। जीवन में हम किसी भी मुकाम पर क्यों न पहुंच जाएं, हमारे भीतर ऐसे संबंधों की जरूरत बनी रहती है, जहां स्नेह हो, परस्पर परवाह हो और यह भरोसा हो कि कोई हमारे सुख में सचमुच खुश होगा और कठिन समय में हमारे साथ खड़ा रहेगा। इस जरूरत का महत्व व्यक्ति की सफलता, पद या आर्थिक स्थिति से समाप्त नहीं होता।

दरअसल, अकेलापन वह सामाजिक पीड़ा है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति को तोड़ता चला जाता है और इस सत्य को मनोवैज्ञानिक जॉन कैसिओप्पो और लुईस हॉकली ने बखूबी बयान किया है। वे अपने शोध 'लोनलीनेस मैटर्स अ थ्योरेटिकल एंड एम्पिरिकल रिव्यू ऑफ कॉन्सीक्वेंसेज एंड मेकैनिज्म्स' में बताते हैं कि अकेलापन केवल इस बात का परिणाम नहीं है कि व्यक्ति के आसपास लोग नहीं हैं, बल्कि तब भी महसूस हो सकता है, जब उसके आसपास लोगों की कमी न हो, लेकिन उसे अपने संबंधों में वह जुड़ाव और आत्मीयता महसूस न हो, जिसकी उसे आवश्यकता है।

कृष्ण जन्म

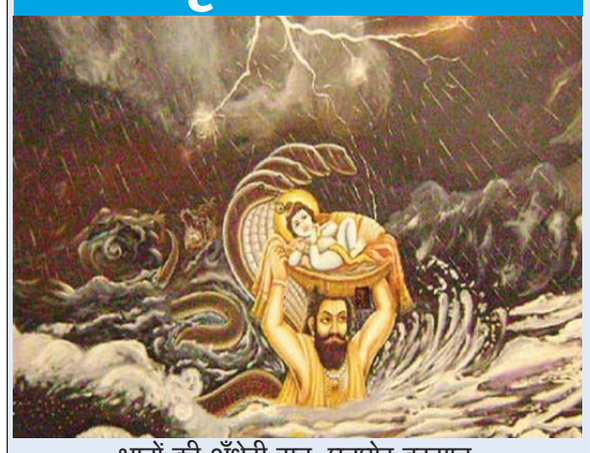

भादों की अँधेरी रात, घनघोर बरसात,
द्वार खुले कारागृह,
गूँजे नाम श्याम रे।

छोड़ क्षीर-सागर को, देवकी की गोद आए,
लीलाधारी लीलाधर,
धन्य हुआ धाम रे।

गोकुल में खुशी छाई, बजी आज है बधाई,
'सुषमा' सुंदर दृश्य,
कृष्ण-कृष्ण नाम रे।

नंद के भवन गूँजे, मृदंग मंजीरे झाँझ,
नंदबाबा-यशोदा के,
प्यारे घनश्याम रे।

सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

दुर्ग जिले में अब तक 689.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 03 सितम्बर 2026 तक 689.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 877.0 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 499.6 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 812.7 मिमी, तहसील बोरी में 635.5 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 744.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 564.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 03 सितम्बर 2026 को तहसील दुर्ग में 23.4 मिमी, तहसील धमधा में 12.8 मिमी, तहसील पाटन में 15.8 मिमी, तहसील बोरी में 6.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 20.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 14.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

समान नागरिक संहिता को लेकर 9 सितंबर को बैठक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने एवं इसके प्रारूप को तैयार करने के लिए शासन द्वारा उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में समान नागरिक संहिता के प्रावधानों एवं इसके प्रभावों पर समूह चर्चा एवं परिचयात्मक बैठक का आयोजन 9 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे से किया जिला पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। संभागायुक्त एसएन राठौर के आदेशानुसार इसमें राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों के संगठन प्रमुखों को शामिल होने एवं उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भुगतान पोर्टल बंद रहने पर सरचार्ज न लगाने की मांग की

भिलाई। बीएसपी के नगर सेवा विभाग का भुगतान पोर्टल पिछले सात-आठ दिनों से बंद होने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्रीनिवास को पत्र भेजकर मांग की है कि तकनीकी खराबी के कारण जो उपभोक्ता अगस्त माह का भुगतान नहीं कर पाए, उनसे सितंबर में बिना सरचार्ज के भुगतान लिया जाए और सरचार्ज जोड़कर बिल न भेजे जाएं।

पॉलीटेक्निक दुर्ग में रिक्त सीटों की काउंसिलिंग 8 को

दुर्ग। शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रथम वर्ष के विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में स्थानांतरण प्रमाण-पत्र लेने के कारण रिक्त हुई 5 सीटों पर प्रवेश के लिए संस्था स्तरीय काउंसिलिंग आयोजित की गई है। मेरिट सूची के अनुसार पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी 8 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे संस्था परिसर में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। रिक्त सीटों में मेकेनिकल इंजीनियरिंग की 1, विद्युत इंजीनियरिंग की 1, कंप्यूटर साइंस की 1 तथा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट की 2 सीटें शामिल हैं।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा को दी विदाई, वर्चुअल जुड़े दुर्ग कोर्ट के जज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा को Farewell Ovation दिया गया। आयोजित इस समारोह में उनके न्यायिक कार्यकाल, नेतृत्व और न्याय व्यवस्था में उनके योगदान को स्मरण किया गया। दुर्ग कोर्ट के जज इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े।

समारोह की एक खास बात यह भी रही कि विदाई सिर्फ कोर्ट रूम की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही। कार्यक्रम का Live Streaming के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। इसके जरिए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय और प्रदेश के न्यायिक परिवार से जुड़े लोग देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से इस महत्वपूर्ण अवसर से जुड़ सके।

डिजिटल जुड़े सभी न्यायाधीश

डिजिटल माध्यम से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभी न्यायाधीश समारोह में जुड़े और मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के संबोधन को सीधे सुना। तकनीक के इस इस्तेमाल ने विदाई के पारंपरिक स्वरूप को एक अलग आयाम दे दिया। एक ओर बिलासपुर का कोर्ट रूम था, जहां समारोह प्रत्यक्ष रूप से हो रहा था, वहीं दूसरी ओर स्क्रीन के माध्यम से अनेक न्यायिक अधिकारी तथा आम नागरिकगण उसी क्षण इस आयोजन के सहभागी बने हुए थे।

एक कार्यकाल, कई बदलावों को देखा

रमेश सिन्हा के कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ की न्यायिक व्यवस्था में तकनीक, न्यायिक अधोसंरचना, न्याय तक पहुँच और प्रशासनिक दक्षता जैसे विषय लगातार चर्चा के केंद्र में रहे। न्यायिक संस्थाओं को बदलते समय के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में हुए प्रयासों ने न्याय व्यवस्था को केवल पारंपरिक अदालतों तक सीमित रखने के बजाय उसे तकनीक और व्यापक जनसरोकारों से जोड़ने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दुर्ग बना ओवरऑल चैंपियनः जीते कुल 21 मैडल

■ बस्तर के खिलाड़ियों का फुटबॉल में अनोखा-रिकॉर्ड, 29 गोल दागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में दुर्ग के खिलाड़ियों ने कुल 75 अंक हासिल कर ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। वहीं रायपुर संभाग 23 गोल्ड जीतकर दूसरे नंबर पर रहा। इस प्रतियोगिता में बस्तर की अंडर-19 फुटबॉल टीम ने पूरे टूर्नामेंट में चार मैच खेले और कुल 29 गोल दागे। लेकिन बस्तर के गोलपोस्ट को पूरे टूर्नामेंट में विरोधी टीम का कोई भी खिलाड़ी भेद नहीं पाया। यानी बस्तर ने एक भी गोल नहीं खाया। उन्होंने सरगुजा और रायपुर को 5-5 गोल से, दुर्ग को 8 गोल से और बिलासपुर को 11 गोल से हराकर एकतरफा कब्जा जमाया।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दुर्ग ने कुल 21 इवेंट्स में से 11 में गोल्ड, 6 में सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर 75 अंक हासिल किए। वहीं, रायपुर संभाग 5 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य (कुल 17 पदक) के साथ उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग 2 स्वर्ण और 13 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि बस्तर संभाग 2 स्वर्ण समेत कुल 11 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। सरगुजा संभाग को पांचवां स्थान मिला। 31 अगस्त से शुरू हुई इस स्पर्धा में पांचों संभागों के कुल 685 खिलाड़ियों (325 बालक और 360 बालिकाएं) ने भाग लिया, जिनके साथ 108 ऑफिशियल्स भी मौजूद रहे।

साइकिलिंग में दिखा दम

साइकिलिंग के मुकाबलों में दुर्ग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जूडो के मैट पर बस्तर की बेटियों ने अंडर-17 कैटेगरी में अकेले 5 गोल्ड मेडल जीते। वहीं लॉन टेनिस में रायपुर संभाग का दबदबा रहा, जहाँ रायपुर ने 8 गोल्ड मेडल झटके।

खेल नीतियों में बेहतर कार्य हो रहा है : सांसद बघेल

समापन समारोह में पहुंचे दुर्ग के सांसद विजय बघेल ने विजेताओं को ट्रॉफी बांटी। खेल नीतियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में खिलाड़ियों को पूरा बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में 5 सालों तक खेल सम्मान समारोह बंद पड़ा था, जिसे अब दोबारा शुरू किया गया है। आने वाले समय में बेहतरीन खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। खेल सुविधाओं पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

इन खेलों का हुआ आयोजन

दुर्ग में शालेय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान जूडो, लॉन टेनिस, ट्रैक साइकिलिंग (बालक और बालिका अंडर-14, 17 और 19), फेंसिंग (अंडर-14 बालक-बालिका) तथा फुटबॉल (अंडर-19 बालिका) के कुल 21 खेल आयोजित किए गए।

संपत्तिकर भुगतान नहीं करने पर अधिभार व शास्ति का प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ नगरपालिका निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत नगर पालिक निगम क्षेत्र में भवन एवं भूमि पर संपत्तिकर अधिरोपित किया जाता है। अधिनियम की धारा 132(1) की उपधारा (क) में संपत्तिकर अधिरोपित किए जाने का प्रावधान है। वहीं धारा 135 के तहत संपत्तिकर की दर तथा धारा 138 के तहत भवन अथवा भूमि के क्षेत्रफल एवं उसकी अवस्थिति के आधार पर वार्षिक भाड़ा मूल्य की गणना के लिए प्रति वर्गमीटर मूल्य निर्धारित किए जाने का प्रावधान है।

निगम द्वारा बताया गया है कि प्रत्येक संपत्तिधारक को नियमानुसार अपनी संपत्ति से संबंधित स्व-निर्धारण विवरणी प्रस्तुत करना आवश्यक है। चालू वित्तीय वर्ष में स्व-निर्धारण विवरणी पत्रक प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति पर एक हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित किए जाने का प्रावधान है।

इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ नगरपालिका (भवन/भूमि के कर योग्य संपत्ति मूल्य का निर्धारण) नियम, 2021 के अंतर्गत निर्धारित तिथि तक निगम द्वारा निर्धारित कर राशि का भुगतान नहीं करने पर वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात नियमानुसार अधिभार (सरचार्ज) लगाए जाने का प्रावधान है।

निगम प्रशासन के अनुसार, उक्त नियमों के तहत संपत्तिकर की वसूली करते समय देय संपत्तिकर के साथ समेकित कर, शिक्षा उपकर एवं अन्य देय करों को भी शामिल किया जाता है। निर्धारित समय-सीमा के बाद भुगतान किए जाने पर नियमानुसार अधिभार की राशि की गणना कर संबंधित संपत्तिधारक से वसूल की जाती है। निगम ने संपत्तिधारकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपत्तिकर एवं अन्य देय करों का भुगतान करें तथा स्व-निर्धारण विवरणी समय पर प्रस्तुत करें, ताकि अनावश्यक शास्ति एवं अधिभार से बचा जा सके।

अवैध रूप से सड़क किनारे फर्नीचर लगाने वालों पर निगम की कार्रवाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक-1 में जोन कमिश्नर दिनेश कोसरिया के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण एवं सड़क किनारे अनधिकृत रूप से फर्नीचर लगाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

जोन-1 राजस्व विभाग द्वारा सुपेला पानी टंकी के सामने सड़क किनारे अवैध रूप से फर्नीचर एवं अन्य सामान लगाकर मार्ग बाधित करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई, बेदखली तथा सामान जब्ती की कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने मौके से अनधिकृत रूप से लगाए गए सामान को हटवाते हुए जब्त किया तथा संबंधितों को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग एवं सड़क किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश दी। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथ एवं शासकीय भूमि पर अनधिकृत रूप से कब्जा कर व्यवसाय करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने में निगम का सहयोग करें। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शशांक शेखर सिंह, नंद कुमार सिन्हा, विनोद शुक्ला, निरंजन असाटी, नीलेश ठाकुर, हेमंत यादव एवं युवराज साहू उपस्थित रहे।

जिले में दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों के लिए निशुल्क सहायक उपकरण के लिए मूल्यांकन शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) के सीएसआर योजनांतर्गत तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर के माध्यम से जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु मूल्यांकन, परीक्षण एवं चिन्हांकन शिविर आयोजित किया जाएगा।

उप संचालक समाज कल्याण से प्राप्त जानकारी अनुसार शिविरों का आयोजन 6 सितंबर को भक्त माता कर्मा सांस्कृतिक भवन लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय के पास सुपेला भिलाई में होगा, जिसमें नगर पालिक निगम दुर्ग, भिलाई, जनपद पंचायत दुर्ग के समस्त ग्राम पंचायत शामिल होंगे। सुपेला में 7 सितंबर को मंगल भवन, नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के पीछे होगा, जिसमें नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा, नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जामुल, अहिवारा, नगर पंचायत धमधा एवं जनपद पंचायत धमधा के समस्त ग्राम पंचायत शामिल होंगे। इसी प्रकार 8 सितंबर को नगर पालिक निगम रिसाली सभागार में होगा, जिसमें नगर पालिका निगम रिसाली, नगर पंचायत पाटन, जनपद पंचायत पाटन के समस्त ग्राम पंचायत, नगर पालिका परिषद अमलेश्वर एवं नगर पंचायत उतई के क्षेत्र सम्मिलित होंगे। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से शाम 4.30 बजे तक रहेगा।

इन शिविरों में संबंधित नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायत क्षेत्रों के पात्र दिव्यांगजन और वरिष्ठजन शामिल हो सकेंगे। सहायक उपकरण प्राप्त करने के लिए पात्र हितग्राहियों का परीक्षण एवं चिन्हांकन किया जाएगा। हितग्राहियों को शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र एवं वर्तमान पासपोर्ट साइज फेटो की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को शिविर तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही इस निःशुल्क सुविधा का लाभ उठा सकें।

होटल अर्थ का शुभारंभ कल

भिलाई। राजधानी रायपुर व राजनांदगांव के बीच दुर्ग भिलाई शहर में पांच मंजिला होटल अर्थ का शुभारंभ होने जा रहा है। दुर्ग भिलाई शहर में पहली बार सर्व सुविधाओं से लैस भव्य होटल अर्थ होटल का शुभारंभ 5 सितंबर को होने जा रहा है। शुभारंभ के पूर्व अर्थ होटल के मुख्य निदेशक चरण जीत सिंह खुराना ने गुरूवार को एक प्रेस वार्ता के माध्यम से होटल की विशेषताओं की जानकारी साझा की।

अर्थ होटल के मुख्य निदेशक चरण जीत सिंह खुराना ने बताया कि होटल का निर्माण दो एकड़ क्षेत्रफल में हुआ है। पांच फ्लोर के इस होटल का बनने में ढाई साल का समय लगा। होटल में एक ओपन टेरेस है और 70 वातानुकूलित कमरे हैं। इसके अलावा प्रेसिडेंशियल स्वीट रूम, डिलक्स हाल 3, छोटे 150, 400, सबसे बड़ा 800 वर्ग फीट से अधिक का रुम, 24+7 घंटे चलने वाला काफी शॉप है। होटल अर्थ का गार्डन लॉन 45000 स्क्वेयर फीट बना है जिसमें स्वीमिंग पुल, अत्याधुनिक किचन व कार पार्किंग बना हुआ है।

होटल अर्थ प्रबंधन का कहना है कि हमारा उद्देश्य केवल एक होटल खोलना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की मेहमाननवाजी को दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान देना है। यह होटल इस हाईवे से गुजरने वाले हर व्यक्ति के लिए एक यादगार मील का पत्थर साबित होगा। प्रेस वार्ता में अर्थ होटल के मुख्य निदेशक चरण जीत सिंह खुराना, निर्देशक सिमरन दीप खुराना, रस दीप खुराना, असमित खुराना, जस्मीन खुराना, जनरल मैनेजर आईबी सिंह, डिजाइनर रूपेश पाटनी मौजूद रहे।

बीएसपी में रण नीति 2026- डायरेक्टर कप का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एल एंड डी सेंटर में 1 एवं 2 सितंबर 2026 को दो दिवसीय 'रण नीति 2026 डायरेक्टर (पर्सनल) कप' बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता ने अधिकारियों को सिमुलेटेड व्यावसायिक वातावरण में रणनीतिक सोच, विश्लेषणात्मक कौशल एवं निर्णय लेने की क्षमता को व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए एक अनुभवात्मक मंच प्रदान किया।

प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इनमें बीएसपी की टीमों के साथ सेलम स्टील प्लांट की एक तथा सेल-रिफ्रैक्टरी यूनिट की दो टीमों ने भी हिस्सा लिया, जिससे प्रतियोगिता में विविधता एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा मिला। उद्घाटन समारोह में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और अपने प्रेरणादायक संबोधन से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक सौरभ वर्ष्णेय के मार्गदर्शन में किया गया, जबकि बिजनेस सिमुलेशन के लिए फैकल्टी के रूप में श्री सी. एस. रस्तोगी एवं श्री प्रदीप कुमार ने अपनी भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों को रणनीतिक सोच, विश्लेषणात्मक निर्णय लेने एवं नेतृत्व क्षमता के साथ सिमुलेटेड व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने का अवसर मिला तथा प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में प्रबंधकीय निर्णय लेने की जटिलताओं का अनुभव प्राप्त हुआ।

विजेता टीमों में सहायक महाप्रबंधक, पीएसडी निकुंज कुमार, सहायक महाप्रबंधक, पीएसडी सचिन प्रधान तथा वरिष्ठ प्रबंधक, पीएसडी विजय कुमार देशमुख एवं प्रबंधक, एफ एंड ए तनिमा वासन, प्रबंधक, एलडीसीपी आरएमपी-3 विनय कुमार पवार तथा उप प्रबंधक, एएंडडी (ईटीएल) गीतांजलि साहू शामिल रहे। प्रथम उपविजेता टीमों में वरिष्ठ प्रबंधक, एसएमएस-3 अरुण कुमार भगत, प्रबंधक, एसएमएस-3 नीरज श्रीकिशन तोसनीवाल तथा वरिष्ठ प्रबंधक, एसएमएस-3 राजेश शर्मा एवं सहायक महाप्रबंधक, ओएचपी आशीष अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक, बीएफ-8 विकास प्रताप पिपरानी तथा सहायक महाप्रबंधक, स्टोर्स रवि कुमार शामिल रहे। द्वितीय दिवस समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया।

भिलाई निगम के वार्डों का आरक्षण 9 सितंबर को कला मंदिर में होगा

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा दिनांक 08 जुलाई 2026 को जारी पत्र के परिपालन में नगर पालिक निगम भिलाई के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग) एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत नगर निगम भिलाई के वार्डों का आरक्षण किया जाएगा।

नगर निगम भिलाई के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया 09 सितंबर 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कला मंदिर, सिविक सेंटर, सेक्टर-6, भिलाई में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में दुर्ग कलेक्टर द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2026 को पत्र जारी कर आरक्षण प्रक्रिया के आयोजन की जानकारी दी गई है। आरक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत नगर निगम भिलाई के वार्डों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं के लिए निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आरक्षण किया जाएगा। वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया नियमानुसार एवं निर्धारित प्रावधानों के तहत संपन्न होगी। आरक्षण प्रक्रिया को लेकर संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। आरक्षण प्रक्रिया के बाद नगर निगम भिलाई के विभिन्न वार्डों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

विलुप्त हो रहे लोक वाद्ययंत्रों को मिला नया जीवन

मांदरी एवं ढोलक की थाप पर लोक संस्कृति के रंग में रंगा 'रंग तरंग' कार्यक्रम का अंतिम दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पारंपरिक लोक वाद्ययंत्र मांदरी एवं ढोलक की थाप से तीसरे एवं अंतिम दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। लोक वाद्ययंत्रों की मनमोहक धुनों और कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों से पूरा परिसर लोक संस्कृति एवं परंपरा के रंग में सराबोर रहा। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मांदरी एवं ढोलक की पारंपरिक ताल पर कलाकारों ने उत्साहपूर्ण लोक प्रस्तुतियां दीं। उनकी कला, लय और ताल ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे परिसर में लोक संगीत की अनूठी छटा देखने को मिली और दर्शकों ने कलाकारों का उत्साहपूर्वक तालियों के साथ स्वागत किया।

संस्कृति संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि लोक वाद्ययंत्र और पारंपरिक लोक कलाएं हमारी सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन्हें संरक्षित रखना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन हमारी समृद्ध लोक परंपराओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ कलाकारों को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तीसरे एवं अंतिम दिवस के 'रंग तरंग' वाद्ययंत्र आधारित कार्यक्रम में विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में रायपुर के वायलिन वादक डॉ. के. रोहन नायडू, अंबिकापुर के तबला वादक नासिर खान, बालोद के पारंपरिक लोक वाद्ययंत्र कलाकार संजू कुमार सेन तथा गरियाबंद के पारंपरिक लोक वाद्ययंत्र कलाकार प्रेम यादव ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों को दर्शकों से खूब सराहना मिली।

'रंग तरंग' के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, संगीत और कला को मंच प्रदान करने का यह प्रयास संस्कृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पारंपरिक लोक वाद्यों की धुनों और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी समाजसेवी उदयभान, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार दीपेंद्र दीवान सहित अन्य गणमान्य अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए पारंपरिक लोक कलाओं एवं लोक वाद्ययंत्रों के संरक्षण और संवर्धन के लिए आयोजित ऐसे आयोजनों की सराहना की। लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियों ने नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का संदेश भी दिया।

मुख्य सचिव ने विभागों में रिक्त पदों और भर्तियों की स्थिति की ली उच्च स्तरीय बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के सभी विभागों के भारसाधक सचिवों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न प्रशासकीय विभागों में स्वीकृत, भरे और रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत विभागवार समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल (व्यापमं) द्वारा आयोजित की जा रही भर्ती परीक्षाओं और भेजे गए इंडेंट (मांग पत्र) की प्रगति की जानकारी ली।

इसके साथ ही, विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु वित्त विभाग से मिली सहमति, पूर्व में विज्ञापित पदों की स्थिति तथा अब तक की गई नियुक्तियों का ब्योरा तलब किया गया। बैठक में वर्ष 2027 के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले संभावित पदों और सभी विभागों में अद्यतन (अपडेटेड) भर्ती नियमों की स्थिति पर भी गहनता से चर्चा हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य शासकीय विभागों में भर्ती प्रक्रियाओं को गति देना, नियमों को अद्यतन करना और आने वाले वर्षों के लिए नियोजन की स्पष्ट रूपरेखा तैयार करना था। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रमुख विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और छत्तीसगढ़ चयन मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, मुख्यमंत्री एवं खनिज विभाग के सचिव पी.दयानंद, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, परिवहन विभाग के सचिव एस.प्रकाश सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ चयन मंडल के अधिकारी मौजूद थे।

जल संरक्षण मे बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि, देश के शीर्ष 10 जिलों में बनाया स्थान

2 लाख 46 हजार वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, जनभागीदारी बना जल संरक्षण का प्रभावी मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्षा जल को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बलौदाबाजार -भाटापारा ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तीसरे चरण में जिला ने देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाकर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों, सामुदायिक सहभागिता और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले में जल संरक्षण को केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रखते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव-मोर पानी अभियान 3.0 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, महिला समूहों, युवाओं, ग्रामीण समुदाय एवं विभिन्न विभागों की सहभागिता से जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर क्रियान्वित किया गया है। जिले में 2,46,488 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, लगभग 5,146.30 लाख लीटर जल संचयन क्षमता तथा 10,78,911 लोगों की प्रत्यक्ष भागीदारी दर्ज की गई है। अभियान का विस्तार 736 गांवों, 519 ग्राम पंचायतों और 9 नगरीय क्षेत्रों तक किया गया है। इस अभियान के तीसरे चरण मे जिला बलौदाबाजार -भाटापारा देश मे 8 वे स्थान पर हैं।

जिले में प्रधानमंत्री आवासों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, डबरी एवं चेकडैम निर्माण, खेत एवं सामुदायिक जल संरचनाएं, नाला उपचार, गैबियन संरचनाएं तथा अन्य भू-जल रिचार्ज गतिविधियों को प्राथमिकता दी गई है। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवासों के साथ रूफ वाटर हार्वेस्टिंग को जोड़कर जल संरक्षण को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

जिला प्रशासन की रणनीति का महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा है कि जल संरक्षण को हर घर पानी घर में, मोहल्ले का पानी मोहल्ले में, खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में की अवधारणा से जोड़ा गया। जन-जागरूकता के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जल चौपाल, रैलियां, रंगोली, दीप प्रज्वलन, महिला समूहों की गतिविधियां और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनचेतना विकसित हुई।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह पहचान जिले में प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। देश के शीर्ष 10 जिलों में बलौदाबाजार-भाटापारा का शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय संसाधनों, नवाचार और जनभागीदारी के समन्वय से जल सुरक्षा के क्षेत्र में प्रभावी एवं अनुकरणीय मॉडल विकसित किया जा सकता है।

टीबी मरीजों को किया गया फूड बास्केट वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में उपचाररत टीबी मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकासखंड खरसिया के 50 टीबी मरीजों को सिविल अस्पताल खरसिया में फूड बास्केट वितरित किए गए। साथ ही मरीजों को नियमित दवा सेवन के साथ पौष्टिक आहार लेने के लिए भी जागरूक किया गया।

कलेक्टर के निर्देशन तथा सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। टीबी से उपचाररत मरीजों के लिए दवाओं का नियमित सेवन जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण पर्याप्त एवं पौष्टिक आहार लेना भी है। इसी उद्देश्य से फूड बास्केट का वितरण किया गया, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान अतिरिक्त पोषण मिल सके और वे जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों को टीबी की दवा नियमित रूप से लेने, उपचार अवधि पूरी करने तथा पौष्टिक भोजन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में समाज और निजी संस्थाओं की भागीदारी के महत्व पर भी जोर दिया गया।

शारडा एनर्जी एंड मिनिरल्स प्राइवेट लिमिटेड, नहरपाली द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत विकासखंड खरसिया के 50 उपचाररत टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें फूड बास्केट उपलब्ध कराया गया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी में विकास कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिला के ओड़गी के जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित विकासखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होकर क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार योजनाओं और कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर योजनाओं एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आमजन से जुड़ी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ आमजन को मिले, इसके लिए अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

समीक्षा बैठक में क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभागीय योजनाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को लंबित कार्यों में गति लाने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक-मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम दुर्ग जिले के उरला (कुम्हारी) स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (देवभोग) द्वारा आयोजित दुग्ध किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और अटूट विश्वास का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपनी शुद्धता के बल पर देश में एक विशिष्ट पहचान कायम की है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री नेताम ने उरला दुग्ध संयंत्र में नवीन कैंटीन का उद्घाटन किया तथा दुग्ध संयंत्र की विभिन्न प्रणालियों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

पशुधन विकास मंत्री श्री नेताम ने पशुपालकों के लिए तैयार विशेष मार्गदर्शिका पुस्तिकाओं, देवभोग के रेडियो जिंगल, रिंगटोन एवं प्रेरक गीत का औपचारिक विमोचन किया। डेयरी क्षेत्र को नई दिशा देने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का लक्ष्य डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना है, ताकि किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि हो सके।

दुग्ध उत्पादकों और किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता

पशुधन विकास मंत्री नेताम ने कहा कि पशुपालन को आजीविका का मजबूत साधन बनाने के लिए दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण, विपणन नेटवर्क और तकनीकी सेवाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुग्ध उत्पादकों और किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए डेयरी विकास की कार्ययोजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करें। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप ''देवभोग'' को पूरे देश में गुणवत्ता और विश्वास के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता, आधुनिक उत्पादन व्यवस्था, विपणन नेटवर्क और किसानों की भागीदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इससे दुग्ध उत्पादक किसानों की आय, आत्मनिर्भरता और समृद्धि में निरंतर वृद्धि होगी।

सम्मेलन में पशु चिकित्सा सेवाएं के संचालक चंद्रकांत वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसान एवं महिला पशुपालक उपस्थित थे।

10 साल के कमलेश को मिला कृत्रिम पैर, अब मंजिल की ओर बढ़ेंगे कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उम्र महज 10 साल, मन में बड़े सपने और आगे बढ़ने का जज्बा... लेकिन जीवन की राह में एक कमी हर कदम पर उसका साथ रोकती थी। बीजापुर जिले के ग्राम पीडिया निवासी 10 वर्षीय कमलेश ओयम, पिता सुक्कू, के लिए अब यह कहानी बदलने वाली है। चिरायु कार्यक्रम के माध्यम से कमलेश को दाएं पैर का कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया गया है। जिला अस्पताल, दंतेवाड़ा में कृत्रिम पैर का सफल प्रत्यारोपण होने के बाद कमलेश के जीवन में नई उम्मीद जगी है।

कमलेश वर्तमान में सक्षम आवासीय विद्यालय, आवरगा, जिला दंतेवाड़ा में अध्ययनरत है। पढ़ाई और स्कूल की गतिविधियों में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले कमलेश के लिए चलना-फिरना हमेशा आसान नहीं रहा। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान उसकी आवश्यकता की पहचान की गई। इसके बाद चिरायु कार्यक्रम के तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसे कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने की पहल की गई।

कृत्रिम पैर मिलने के बाद कमलेश के लिए रोजमर्रा की गतिविधियों के साथ-साथ विद्यालयीन जीवन में भी आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। अब उसके लिए स्कूल परिसर में आना-जाना, दैनिक गतिविधियों में भाग लेना और अपने साथियों के साथ अधिक आत्मविश्वास से समय बिताना आसान हो सकेगा। कमलेश के लिए यह केवल एक कृत्रिम अंग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता एक नया कदम है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अक्षय की सामुक के लिए अभिनेत्री की तलाश खत्म, रुक्मिणी पर लगेगा दांव

अक्षय कुमार की साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर सामुक का ऐलान कुछ दिन पहले हुआ था। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित यह भारत की पहली एलियल थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग इस वक्त ब्रिटेन में चल रही है। इसकी पुष्टि खुद अक्षय ने की थी। ताजा अपडेट है कि सामुक के लिए अभिनेत्री की तलाश खत्म हो चुकी है। फिल्म में अक्षय के अपोजिट महिला किरदार निभाने के लिए बंगाली सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रुक्मिणी मैत्र से बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बंगाली फिल्मों से सफलता का स्वाद चखने के बाद, रुक्मिणी का बॉलीवुड में यह पहला कदम साबित होगा।

परियोजना से जुड़े सूत्र ने कहा, कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक अहम भूमिका के लिए मैत्र से बातचीत चल रही है। रुक्मिणी की भूमिका दिलचस्प है जो कुमार के साथ अच्छी तरह मेल खाएगी। फिल्म निर्माता एक ऐसी अभिनेत्री चाहते थे जिसमें दमदार अभिनय और प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस हो।

आशीन ए शाह द्वारा सह-निर्मित, सामुक का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जो 2027 में अखिल भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने का लक्ष्य रखती है।

यह फिल्म अक्षय और विपुल के पुनर्मिलन का प्रतीक होगी, जो आखिरी बार हॉलिडे: ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी (2014) के लिए साथ जुड़े थे।

फिल्म में हॉलीवुड का तड़का लगाने के लिए अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित क्रिएचर इफेक्ट्स डिजाइनर एलेक गिलिस को शामिल किया गया है।

जौहर वाले सीन पर क्या बोले फिल्म के लेखक प्रकाश कपाडिया? स्वरा ने किए थे ये सवाल....

फिल्म 'पद्मावत' के जौहर वाले सीन की आलोचना किए जाने पर स्वरा भास्कर की काफी ट्रोलिंग हुई। अब इस मामले पर फिल्म के सह-लेखक ने अपनी बात रखी है।

स्वरा भास्कर की तरफ से हाल ही में फिल्म 'पद्मावत' में जौहर वाले सीन पर बयान दिया गया। इस पर विवाद बढ़ने के बाद अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर कर सफाई दी है। अब इस मामले में फिल्म के सह-लेखक प्रकाश कपाडिया का बयान आया है। उन्होंने फिल्म के इस सीन का बचाव किया है। आइए जानते हैं पूरा मामला।

क्या था स्वरा भास्कर का सवाल?

स्वरा भास्कर के बयान पर फिल्म 'पद्मावत' के सह-लेखक प्रकाश कपाडिया ने कहा कि यह सीन रिसर्च और इतिहास की किताबों में दर्ज जानकारी पर आधारित था। कपाड़िया ने कहा कि यह सीन फिल्म में दिखाए गए दौर की सच्चाई को दिखाता है, जबकि भास्कर ने इस बात पर सवाल उठाए थे कि इसमें यौन हिंसा, महिलाओं की इज्जत और मौत या जिंदगी में से किसी एक को चुनने को कैसे दिखाया गया है।

क्या बोले फिल्म के सह-लेखक?

संजय लीला भंसाली की 2018 की फिल्म के सह-लेखक कपाडिया ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा 'हमने अपनी रिसर्च और इतिहास की किताबों में लिखी बातों के आधार पर फिल्म बनाई। हर कोई फिल्म को अलग-अलग नजरिए से देखता है। हमने जो दिखाया जिसमें जौहर वाला सीन भी शामिल है, वह उस समय की सच्चाई थी। इसे अब बदला नहीं जा सकता। हालात 'करो या मरो' वाले थे।'

जौहर वाले सीन में क्या है?

फिल्म 'पद्मावत' में जौहर वाले सीन में दिखाया गया है कि कैसे राजपूत सेना की हार के बाद सैकड़ों महिलाओं ने यौन हिंसा का सामना करने के बजाय मौत को चुना।

कब शुरू हुआ विवाद?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब भास्कर ने 31 अगस्त को दिल्ली के एक कार्यक्रम फिल्म 'पद्मावत' के जौहर सीन के बारे में बात की। उन्होंने तर्क दिया कि जौहर को सम्मान के काम के तौर पर दिखाने से दुष्कर्म पीड़िताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या महिलाओं की पवित्रता को उनकी जान से ज्यादा कीमती माना जाना चाहिए।

स्वरा भास्कर ने सफाई में क्या कहा?

बाद में स्वरा भास्कर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करके साफ किया कि उन्होंने रानी पद्मावती या दूसरी महिलाओं को कायर नहीं कहा था। उन्होंने कहा कि उनकी चिंता इस बात को लेकर थी कि आधुनिक फिल्में किन चीजों को महिमामंडित करती हैं और इस बात पर जोर दिया कि दुष्कर्म पीड़िता को कभी ऐसा महसूस नहीं होना चाहिए कि बच जाने की वजह से वे कम साहसी हैं।

कितना हुआ 'पद्मवत' का कलेक्शन?

रिलीज से पहले ही फिल्म 'पद्मावत' विवादों में घिर गई थी। कुछ जगहों पर कथित ऐतिहासिक छेड़छाड़ को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की गई। विरोध प्रदर्शनों के बाद फिल्म का नाम 'पद्मावती' से बदलकर 'पद्मावत' कर दिया गया। इसके बावजूद यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। सैकनिल्क के अनुसार, इसने दुनिया भर में 585 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

फिल्म मिर्जापुर: द मूवी का धमाकेदार गाना घूम घूम रिलीज

मुन्ना भैया और रवि किशन संग थिरकीं सोनल चौहान

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपार सफलता और लोकप्रियता हासिल करने के बाद मिर्जापुर की खूंखार और रोमांचक दुनिया अब बड़े पर्दे पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के बैनर तले बनी बहुचर्चित फिल्म मिर्जापुर: द मूवी 4 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। सेंसर बोर्ड से फिल्म को ए सर्टिफिकेट भी मिल गया है। फिल्म की ग्रैंड रिलीज में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है और दर्शकों के बीच उत्सुकता चरम पर है। इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का नया हाई-वोल्टेज पार्टी ट्रैक घूम घूम जारी कर दिया है।

नए रिलीज हुए इस स्पेशल डांस नंबर में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान का बेहद ग्लैमरस और ऊर्जावान अवतार देखने को मिल रहा है। सोनल अपने सिजलिंग डांस स्टेप्स से स्क्रीन पर आग लगाती नजर आ रही हैं। उनका साथ दे रहे हैं फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता दिव्येंदु और रवि किशन, जो गाने में सोनल के साथ थिरकते हुए महफिल लूट रहे हैं। तीनों कलाकारों का यह अनोखा अंदाज और शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री इस गाने को एक परफेक्ट कमर्शियल चार्टबस्टर बनाती है।

संगीत की दृष्टि से घूम घूम गाना हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देने वाला ट्रैक है। इस धमाकेदार गाने को मशहूर गायिका राशमीत कौर और संगीतकार रे ने अपनी आवाज से सजाया है। जैसे ही मेकर्स ने सोशल मीडिया पर गाने को शेयर करते हुए 4 सितंबर की रिलीज का रिमाइंडर दिया, वैसे ही यह ट्रैक म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया रील्स पर ट्रेंड करने लगा।

निर्देशक गुरमीत सिंह और लेखक पुनीत कृष्णा की यह फिल्म वेब सीरीज के प्रशंसकों के लिए एक बिल्कुल नया और अनूठा अनुभव लेकर आ रही है। इस थिएट्रिकल वर्जन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर और मोहित मलिक जैसे अनुभवी कलाकारों की फौज भी सिनेमाघरों में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरती नजर आएगी। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म 4 सितंबर को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

तृषा कृष्णन ने पैनोरमा स्टूडियो से मिलाया हाथ, मनोवैज्ञानिक हॉरर की बनीं अभिनेत्री

तृषा कृष्णन को आखिरी बार सूर्या अभिनीत फिल्म करुप्पू में देखा गया था। अब उनकी अगली फिल्म पर अपडेट आया है, जो पैनोरमा स्टूडियोज की तमिल मनोवैज्ञानिक हॉरर होगी। यह स्टूडियो की पहली तमिल भाषा वाली फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री को मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इसे पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा लोकोमोटिव ग्लोबल के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें निर्माता के रूप में कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक, सुंदर आरोन, विकास शर्मा और अमित डालमिया शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में राधिका सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली भी सह-कलाकार के रूप में नजर आएंगे। इसका शीर्षक तय होना अभी बाकी है, लेकिन शूटिंग लंदन में शुरू हो चुकी है।

निर्माता मंगत ने कहा, तमिल सिनेमा हमेशा से साहसिक, मौलिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानियों का मंच रहा है, और हम चाहते थे कि हमारी पहली तमिल फिल्म भी ठीक इसी भावना को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने विश्वास जताया कि फिल्म दर्शकों को नया सिनेमाई अनुभव देगी।

तृषा ने हॉरर-कॉमेडी जॉनर में काम किया है, लेकिन यह पहला मौका होगा जब उन्हें बिना नाम वाली इस मनोवैज्ञानिक हॉरर में देखा जाएगा।

इसके निर्देशन की कमान राजा कृष्ण मेनन ने संभाली है, जिन्हें अक्षय कुमार की एयरलिफ्ट और ईशान खट्टर की पिप्पा जैसी फिल्मों के लिए जाता जाता है।

निर्माताओं के अनुसार, फिल्म की कहानी रहस्य, मानवीय भावनाओं और मनोवैज्ञानिक तनाव से भरपूर होगी। इसकी रिलीज तारीख को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

खाना बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, सेहत को होगा फायदा

खाना बनाना एक कला है, जिसमें सिर्फ तेल का इस्तेमाल ही नहीं होता। सही तरीके से खाना बनाकर हम अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने खाने को और भी सेहतमंद बना सकते हैं। इन तरीकों से आप न केवल स्वाद बढ़ा सकते हैं, बल्कि पोषण भी सुधार सकते हैं। आइए जानें कि कैसे आप रोजमर्रा की रसोई में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं।

तेल का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय तेल का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। ज्यादा तेल से न केवल खाने का स्वाद बिगड़ता है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है।

कोशिश करें कि खाना बनाते समय कम तेल का इस्तेमाल करें और उसे बार-बार न गर्म करें। इससे न केवल आपका खाना सेहतमंद रहेगा बल्कि आपके शरीर को अतिरिक्त चर्बी से भी छुटकारा मिलेगा।

सही मात्रा में तेल का उपयोग करने से स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में संतुलन बना सकते हैं।

सब्जियों को भूनने का तरीका बदलें

सब्जियों को भूनते समय अक्सर लोग ज्यादा तेल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे खाना तला हुआ सा लगने लगता है और उसमें अतिरिक्त कैलोरी शामिल हो जाती है।

इसकी बजाय आप सब्जियों को भूनने के लिए थोड़े पानी का उपयोग कर सकते हैं या ऐसे बर्तन में पकाएं जो चिपकता न हो। इससे न केवल कैलोरी कम होगी बल्कि सब्जियों का प्राकृतिक स्वाद भी बना रहेगा। इस तरह आपका खाना सेहतमंद और स्वादिष्ट बनेगा।

मसालों का सही मिश्रण बनाएं

मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें पौष्टिक भी बनाते हैं, लेकिन कभी-कभी ज्यादा मसाले खाने का स्वाद बिगाड़ सकते हैं और पाचन पर असर डाल सकते हैं।

इसलिए मसालों का सही मिश्रण बनाना जरूरी है ताकि आपका खाना न केवल स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक भी हो।

हल्दी, जीरा, धनिया जैसे मसालों का सही अनुपात मिलाकर इस्तेमाल करने से आपका खाना सेहतमंद बना रहेगा और पाचन पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

नमक का सही उपयोग करें

नमक हमारे खाने का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका अधिक उपयोग हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

ज्यादा नमक खाने से रक्तचाप बढ़ सकता है और दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए नमक का सही मात्रा में उपयोग करना बहुत जरूरी है।

खाने में स्वाद लाने के लिए आप सेंधा नमक या काला नमक भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो सेहत के लिए बेहतर होते हैं और स्वाद में भी अच्छे लगते हैं।

पानी का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय पानी का सही उपयोग करना भी अहम होता है।

ज्यादा पानी इस्तेमाल करने से खाना पतला हो जाता है और उसका स्वाद भी बिगड़ जाता है। इसलिए जितना संभव हो सके उतना कम पानी इस्तेमाल करें ताकि आपका खाना पौष्टिक बना रहे।

इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी रोजमर्रा की रसोई को न केवल सेहतमंद बना सकते हैं बल्कि अपने खाने का स्वाद भी बढ़ा सकते हैं।

बुध : बहुत कम जानते हैं जिसके बारे में

प्रतियोगी परीक्षाओं में विभिन्न क्षेत्रों से जनरल नॉलेज से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। यूपीएससी व राज्यों के प्रशासनिक सेवाओं के एग्जाम में तो एक पूरा पेपर ही सामान्य ज्ञान का होता है। जिसमें भूगोल व अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र से भी प्रश्न शामिल होते हैं। जानिये सौरमंडल के सबसे छोटे ग्रह बुध के बारे में।

बुध ग्रह के बारे में मनुष्य को अब तक अपेक्षाकृत कम जानकारी प्राप्त हुई है। मेरिनर-10 बुध की ओर जाने वाला प्रथम अंतरिक्ष यान था। इसके बाद कुछ अन्य अभियानों ने भी बुध के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बुध सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। इसका व्यास केवल 4,880 किलोमीटर है। एक अन्य अड़चन यह है कि यह सूर्य के बहुत करीब है। इसकी कक्षा की औसत दूरी पृथ्वी की कक्षा की औसत दूरी से एक तिहाई जितनी ही है। इसलिए इसे सुबह सूर्योदय से तुरंत पहले अथवा शाम को सूर्यास्त के पश्चात थोड़ी देर के लिए ही देखा जा सकता है। दोनों बार पृथ्वी से देखने पर यह पृथ्वी के क्षितिज पर मौजूद हजारों मील गहरे वायुमंडल के बीच से दिखाई देता है। फलत: जिस तरह वायुमंडल की मोटाई के कारण सूर्य तथा चंद्रमा उदय तथा अस्त के समय अपने सही रूप में नहीं दिखे जा सकते।

उपर्युक्त कारणों से अब तक बुध का ज्यादातर अध्ययन केवल दिन में ही किया गया है। दिन में अध्ययन करने के लिए यह आवश्यक होता है कि बुध की उस दिन की स्थिति ठीक-ठीक ज्ञात हो तथा दूरबीन को सूर्य से अलग उस स्थल-विशेष पर केंद्रित किया जा सके। दिन में अध्ययन करने पर बुध के किनारे टेढ़े-मेढ़े न दिखकर साफ दिखाई पड़ते हैं, क्योंकि उस समय प्रकाश-किरणों को वायुमंडल की कम मोटी परतों से गुजरना पड़ता है। जैसे दिन में चंद्रमा का प्रकाश रात की अपेक्षा काफी कम तथा पीलापन लिए हुए दिखाई पड़ता है, वैसे ही बुध का प्रकाश क्षीण तथा पीलापन लिए हुए होता है। यही कारण है कि बुध के धरातल के बारे में अभी तक अपेक्षाकृत कम ज्ञात है। उसकी सतह पर कभी-कभी नजर आने वाले काले धब्बों के अलावा अभी तक कोई और बात नहीं दिखी है।

भारत के वैज्ञानिक एवं अंतरिक्ष अभियान

1. भारत का पहला उपग्रह क्या था? - आर्यभट्ट
2. इसरो की स्थापना कब हुई? - 1969
3. इसरो के जनक की पदवी किसे मिली है? - डॉ. विक्रम साराभाई
4. आर्यभट्ट का प्रक्षेपण कब हुआ?- 1975
5. भारत का चंद्रयान-1 अंतरिक्ष अभियान कब सम्पन्न हुआ था?- 2008 में
6. चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग कब हुई थी? - 23 अगस्त 2023
7. आदित्य एल1 किसका अध्ययन करता है? - सूर्य
10. गगनयान मिशन का उद्देश्य क्या है? - मानव अंतरिक्ष उड़ान
11. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कब मनाया जाता है? - 23 अगस्त
12. पीएसएलवी का पूरा नाम क्या है? - पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल

खास-खबर

राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम : जिला जेल में बंदियों का नेत्र परीक्षण

धमतरी। राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले में 25 अगस्त से 08 सितम्बर तक 41 वाँ राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला जेल धमतरी के सभी बंदियों के लिए नेत्र परीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जेल के सभी बंदियों की आँखों की बारीकी से जाँच की और उन्हें नेत्रदान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जागरूक किया। परीक्षण के दौरान 03 बंदियों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जबकि 14 बंदियों में दृष्टिदोष की पुष्टि हुई। दृष्टिदोष से पीड़ित बंदियों को राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण समिति द्वारा आवश्यकतानुसार निःशुल्क चश्मे प्रदान किए गए। वहीं मोतियाबिंद से ग्रसित 03 बंदियों को समुचित इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाने हेतु जेल अधीक्षक सूचना दे दी गई है।

महतारी वंदन से राधिका के सपनों को मिल रहा सहारा, परिवार की जरूरतें हो रहीं पूरी

कोरबा। कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी राधिका महंत के लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार की जरूरतों को पूरा करने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का मजबूत आधार बन गई है। योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की मासिक राशि की 31वीं किश्त भी उनके बैंक खाते में पहुंच चुकी है। नियमित रूप से मिलने वाली इस राशि का उपयोग राधिका अपने परिवार की आवश्यकताओं, विशेषकर बच्चे की पढ़ाई और पोषण से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं। राधिका बताती हैं कि घर-परिवार चलाते समय छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी कई बार अतिरिक्त राशि की आवश्यकता होती है। ऐसे में महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता उनके लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है।

7 सितंबर को चावल उत्सव का होगा आयोजन

कोरबा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम तथा मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के अंतर्गत जिले के पात्र हितग्राहियों को माह सितंबर एवं अक्टूबर 2026 के आबंटित खाद्यान्न का सुचारू भंडारण और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिले के अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं निःशक्तजन राशनकार्डधारियों को पात्रता अनुसार दोनों माह के चावल का एकमुश्त वितरण माह सितंबर 2026 में ही किया जाएगा। साथ ही सामान्य राशनकार्डधारियों के खाद्यान्न सामग्रियों का भंडारण एवं वितरण नियमित मासिक आबंटन (सितम्बर 2026) के आधार पर होगा।

धमतरी में भारी बारिश से उफान पर नदियां, गंगरेल बांध के खुले 3 गेट, महानदी तटीय गांवों में अलर्ट जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धमतरी जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित होने लगा है, वहीं क्षेत्र के सभी प्रमुख जलाशय अब पूरी तरह लबालब हो चुके हैं।

कैचमेंट एरिया से हो रही पानी की भारी आवक को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर गंगरेल बांध (रविशंकर सागर जलाशय) के तीन गेट खोल दिए गए हैं, जिनसे कुल 4,670 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें से 3,360 क्यूसेक पानी सीधे महानदी में बह रहा है, जबकि 1,410 क्यूसेक पानी रुद्री बैराज के रास्ते मुख्य नहर में प्रवाहित किया जा रहा है।

मौसम विभाग द्वारा आगे भी बारिश की संभावना जताए जाने से महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका है, जिसे देखते हुए कलेक्टर ने तटीय और निचले इलाकों में स्थित गांवों के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

वर्तमान में जिले के जलाशयों की स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। मुरूमसिल्ली जलाशय अपनी क्षमता का 98.61 प्रतिशत भर चुका है और उसमें 362 क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है। वहीं गंगरेल जलाशय 97.40 प्रतिशत भरकर 3,365 क्यूसेक आवक दर्ज कर रहा है। इसके अलावा दुधावा जलाशय 86.86 प्रतिशत (437 क्यूसेक आवक) और सोंढूर जलाशय 69.25 प्रतिशत (167 क्यूसेक आवक) तक भर चुके हैं। जलाशयों में लगातार बढ़ते पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए ही महानदी में जलप्रवाह बढ़ाया गया है।

बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। कलेक्टर धमतरी ने अधिकारियों और मैदानी अमले को 24 घंटे सतर्क रहने और संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखने के सख्त निर्देश दिए हैं।

प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे नदी, नालों और जलभराव वाले इलाकों के पास न जाएं तथा उफनती नदी को पार करने का जोखिम बिल्कुल न उठाएं। तटीय गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों को समय रहते सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर बनाए गए राहत केंद्रों में पहुंचाया जा सके। इसके साथ ही नागरिकों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देकर केवल अधिकृत प्रशासनिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया गया है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रोत्साहन से रायगढ़ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

सोनम, शांति और मानसी ने भारतीय महिला लैक्रॉस टीम के साथ मलेशिया में जीता कांस्य पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य के रायगढ़ जिले के रायगढ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर देश और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय लैक्रॉस टूर्नामेंट में भारतीय महिला लैक्रॉस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम की इस उपलब्धि में रायगढ़ जिले के महलोई क्षेत्र की तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी के प्रोत्साहन और रायगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर पदक जीतकर रायगढ़ लौटने के बाद तीनों खिलाड़ी अपने कोच श्री देवावतार चौधरी के साथ कलेक्टोरेट पहुंचीं और कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी से मुलाकात की। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि रायगढ़ की बेटियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतना पूरे जिले और प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। कोच देवावतार चौधरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और जुझारू प्रदर्शन का परिचय दिया। सिंगापुर के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी और जिला प्रशासन से लगातार सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।

रायगढ़ की तीनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि जिले की अन्य खेल प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अवसर मिलने पर छत्तीसगढ़ की बेटियां वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती हैं। खिलाड़ियों एवं कोच ने इस उपलब्धि के लिए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रियंका गोस्वामी होंगी गजानन माधव मुक्तिबोध राज्य स्मृति सम्मान 2026 से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का मान बढ़ाते हुए शिक्षिका एवं साहित्यकार प्रियंका गोस्वामी का चयन प्रतिष्ठितगजानन माधव मुक्तिबोध राज्य स्मृति सम्मान 2026 के लिए किया गया है। शिक्षा, साहित्य और नवाचार के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट और निरंतर योगदान को देखते हुए शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन, रायपुर में राज्यपाल द्वारा उन्हें इस सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया जाएगा।

वर्ष 2025 में राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित हो चुकीं प्रियंका गोस्वामी ने न केवल कक्षा-शिक्षण में नवाचारों को अपनाया है, बल्कि साहित्य के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और जागरूकता फैलाने का काम भी किया है। दूरस्थ क्षेत्रों में जरूरतमंद और वंचित बच्चों तक शिक्षा का प्रकाश पहुँचाने से लेकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तक, उनकी भूमिका बेहद सराहनीय रही है। श्रीमती प्रियंका गोस्वामी विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक गतिविधियों, डिजिटल शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से जोड़ते हुए सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। बच्चों में पठन-पाठन के प्रति रुचि जगाने, आत्मविश्वास बढ़ाने, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करने का निरंतर प्रयास कर प्रतिभा की पहचान की।

इसी तरह विद्यालय में समयबद्धता और अनुशासन को प्राथमिकता देते हुए बच्चों में नैतिक और सामाजिक मूल्यों का बीजारोपण किया।

मौसम में बदलाव से धान की फसल में बढ़ा रोगों का खतरा, किसान समय पर करें प्रबंधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मौसम अनुकूल नहीं रहने के कारण इन दिनों धान की फसल में विभिन्न प्रकार के रोगों का प्रकोप देखने को मिल सकता है। रोगों की समय पर पहचान और उचित प्रबंधन नहीं किए जाने पर उत्पादन प्रभावित होने की आशंका रहती है। कृषि विज्ञान केन्द्र रायगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.बी.एस. राजपूत तथा विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौध रोग) दीपमाला लकड़ा ने किसानों को धान की फसल में रोगों की पहचान कर समय पर आवश्यक प्रबंधन अपनाने की सलाह दी है।

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से अपील की है कि धान की फसल में किसी भी रोग के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं से दवा का प्रयोग करने के बजाय कृषि विभाग अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों से सलाह लेकर ही अनुशंसित मात्रा में उपचार करें। इससे अनावश्यक दवा खर्च से बचने के साथ फसल को होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सकेगा।

धान में झुलसा या ब्लास्ट रोग प्रमुख रूप से फफूंद के कारण होता है। इसके प्रकोप में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर नाव के आकार के हो जाते हैं। धब्बों का मध्य भाग हल्का भूरा तथा किनारे गहरे कत्थई रंग के दिखाई देते हैं। बाद में इसका असर पर्णच्छद, गांठ और बालियों पर भी हो सकता है। रोग से बचाव के लिए किसानों को स्वस्थ एवं रोगरोधी किस्मों का चयन करने, समय पर बुवाई करने तथा संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। नाइट्रोजन उर्वरक की अधिक मात्रा एक साथ देने के बजाय आवश्यकता के अनुसार विभाजित मात्रा में देना उचित है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञों की सलाह से अनुशंसित कवकनाशी का प्रयोग किया जा सकता है।

गृह निर्माण मंडल की आवासीय योजनाओं में चलेगा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' को आगे बढ़ाते हुए प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और मातृशक्ति के सम्मान के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा इस अभियान की शुरुआत अंबिकापुर से की गई। माननीय मंत्री पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग श्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में सरगवां स्थित अटल विहार योजना में वृक्षारोपण एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी व्यक्त करने वाला भावनात्मक एवं जनसरोकार से जुड़ा संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक स्वरूप देना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे, यही इस अभियान की वास्तविक सफलता होगी।

उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पूरे प्रदेश में सवा सात करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि कॉलोनी में बाउंड्रीवाल की लगातार मांग की जा रही थी। गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष की पहल से आज बाउंड्रीवाल का निर्माण पूर्ण कर उसका लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत यहां वृक्षारोपण किया गया था और कॉलोनीवासियों के संरक्षण से लगाए गए पौधे अब वृक्ष का रूप ले चुके हैं।

गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय वृक्षारोपण अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की अन्य आवासीय योजनाओं एवं कॉलोनियों में भी चरणबद्ध रूप से संचालित किया जाएगा।

बाल संरक्षण को लेकर प्रदेशभर में जागरूकता अभियान तेज

स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर बच्चों एवं आमजन को बताए बाल अधिकार और सुरक्षा के उपाय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल अपराधों की रोकथाम और संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देशन में प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में रायपुर, बालोद और बेमेतरा की टीमों द्वारा स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों, किशोर-किशोरियों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई।

रायपुर जिले में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, भाटागांव द्वारा स्काउट गाइड, बेमेतरा की टीम, बालिकाओं के समूह, धूम्रपान करते पाए गए बालकों तथा आने-जाने वाले यात्रियों को बाल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं आदर्श नियम 2016, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (च्च्ब्ब्) 2012 एवं नियम 2020, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, दत्तक ग्रहण विनियम 2022 सहित मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, बाल सक्षम नीति और बाल संरक्षण नीति की जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यक्रम में बाल हिंसा, शोषण, ट्रैफिकिंग, बाल श्रम, बाल तस्करी और साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी लोगों को सजग किया गया। साथ ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान तथा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। किसी भी बच्चे के संकट में होने या बाल अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिलाओं के लिए 181 तथा आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई।

रायपुर जिले में 13 अगस्त को विकासखंड बालोद अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंघाटोला में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 द्वारा जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम 2012, किशोर न्याय अधिनियम 2015, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, गुड टच-बैड टच, साइबर क्राइम और बाल अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 113 बालक-बालिकाओं सहित विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। बच्चों को किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा अथवा संकट की स्थिति में सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। बाल संरक्षण से जुड़ी इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ समाज में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, हिंसा, शोषण और साइबर अपराध के विरुद्ध सजगता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे बच्चों के प्रति संवेदनशील रहें और किसी भी प्रकार की हिंसा, शोषण या संकट की स्थिति में तत्काल संबंधित सहायता सेवाओं से संपर्क कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहभागी बनें।

सांझ ढलते ही सजेगी 'आवास जनचौपाल'

दंतेवाड़ा। दिनभर की कड़ी मशक्कत, खेत-खलिहान और मजदूरी से जब ग्रामीण शाम को फुरसत पाएंगे, तो जिला प्रशासन खुद उनकी चौखट पर पहुंचकर उनके आशियाने का सपना पूरा करने का रास्ता तलाशेगा। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अटके पड़े निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने एक बेहद व्यावहारिक और संवेदनशील पहल शुरू की है, जिसके तहत अब गांवों में शाम के वक्त विशेष 'आवास जनचौपाल' लगाई जाएगी। अक्सर दिन के समय सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटना ग्रामीणों के लिए अपनी दिहाड़ी गंवाने जैसा होता है, लेकिन शाम की इस चौपाल से उन्हें अपनी रोजी-रोटी छोड़े बिना ही सीधी प्रशासनिक मदद मिल सकेगी।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सोनू बार में देर रात बीयर बेचने पर एक्शन, मैनेजर और गार्ड गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी स्थित सोनू बार एंड रेस्टोरेंट में देर रात बीयर मुहैया कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। वायरल वीडियो में बार का गार्ड एक व्यक्ति को देर रात बीयर की बोतल देते हुए नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद देवेंद्र नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश और थाना प्रभारी देवेंद्र नगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 2 सितंबर को सोनू बार पहुंचकर वायरल वीडियो की जांच की। पुलिस ने बार मैनेजर कानू चरण दास और गार्ड रमाकांत द्विवेदी से पूछताछ की। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ बीएनएस की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई में बार मैनेजर कानू चरण दास (45), निवासी तेलीबांधा और गार्ड रमाकांत द्विवेदी (48), निवासी झंडा चौक पंडरी शामिल हैं। दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

शराब नहीं पिलाई तो कारपेंटर को मारा चाकू, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

रायपुर। राजधानी रायपुर में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर एक कारपेंटर पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना बंगाली चाय दुकान के पास की है। आरोप है कि आदतन अपराधी अभय रक्सेल ने कारपेंटर अमन पटेल की कॉलर पकड़कर उस पर चाकू से 6 बार वार किए। हमले में अमन के शरीर के बाएं हिस्से और जांघ में चोट आई है। वारदात दुकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में आरोपी युवक पीड़ित की कॉलर पकड़कर उसके साथ मारपीट करता नजर आ रहा है। इसके बाद वह नुकीली वस्तु से उस पर हमला करता दिखाई देता है। घायल का एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस नेपीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया, कि पीड़ित की शिकायत के बाद आरोपी अभय रक्सेल के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सुपरवाइजर के थप्पड़ का बदला लेने के लिए नाबालिग ने की हत्या

रायपुर। तोरवा स्थित रेलवे कंस्ट्रक्शन साइट पर एक 16 वर्षीय नाबालिग ने मामूली विवाद के बाद सुपरवाइजर की हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। मृतक साइट पर चौकीदारी का काम भी करता था। गुरुवार सुबह जब ठेकेदार के कर्मचारी साइट पर पहुंचे, तो उन्हें सुपरवाइजर की खून से लथपथ लाश मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच कर सुराग जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिम्स भेजा। पुलिस ने घटनास्थल और परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। रात में एक नाबालिग घटना स्थल से भागता हुआ दिखा। पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली।

भिलाई पुलिस ने म्यूल खातों से रकम निकालने वाले आरोपी को राजस्थान से किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन ठगी से मिली रकम को दूसरे लोगों के बैंक खातों के जरिये निकालकर इस्तेमाल करने वाले 25 साल के एक युवक रमेश सुथार को भिलाई नगर पुलिस ने राजस्थान के उदयपुर जिले से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी दूसरों के बैंक खातों का इस्तेमाल कर ठगी की राशि को ठिकाने लगाता था। पुलिस ने जरूरी कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

भिलाई नगर थाने में ऑनलाइन ठगी की शिकायत मिलने के बाद वर्ष 2024 में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की शुरुआती जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही पांच आरोपियों को पकड़ा था। पकड़े गए आरोपियों से हुई पूछताछ, बयानों और जांच में मिले

साक्ष्यों के आधार पर रमेश सुथार का नाम सामने आया। आरोपी रमेश सुथार राजस्थान के उदयपुर जिले की वल्लभनगर तहसील के ग्राम बना का रहने वाला है। वह अन्य लोगों के साथ मिलकर ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में पहुंचाने और फिर वहां से निकालने का कार्य करता था।

मामले में ठगी की रकम को सीधे अपने बैंक खातों में रखने के बजाय अन्य लोगों के खातों का प्रयोग किया जाता था। ऐसे खातों को आमतौर पर म्यूल खाता कहा जाता है। खातों में राशि आते ही उसे विभिन्न माध्यमों से निकाल लिया जाता था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए भिलाईनगर पुलिस ने विशेष टीम बनाई थी। विशेष टीम ने राजस्थान में आरोपी के ठिकानों पर खोजबीन कर उसे दबोच लिया। पुलिस अब आरोपी के संपर्क सूत्रों, बैंक लेन-देन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है।

अवैध खनन एवं परिवहन पर साय सरकार की सख्ती

रेत एवं ईंट निर्माण के लिए मिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त चार ट्रैक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुशासन, पारदर्शिता और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता देते हुए प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में खनिज विभाग ने अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रेत एवं मिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 4 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है।

सरकारीयोजनाएं खोजें

कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निगरानी एवं जांच की जा रही है। इसी दौरान विभागीय टीम ने सिलपहरी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते हुए 3 ट्रैक्टर वाहनों तथा ज्योतिपुर तिराहा में ईंट निर्माण के लिए मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 1 ट्रैक्टर वाहन को पकड़ा।

सभी 4 वाहनों को जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इनमें 3 ट्रैक्टर वाहनों को अमरपुर थाना परिसर तथा 1 ट्रैक्टर वाहन को नगर सैनिक परिसर में

सुरक्षित रखा गया है। जब्त वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(5) एवं 23(क) के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिले के प्राकृतिक संसाधन जनता की सामूहिक संपत्ति हैं और इनके अवैध दोहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन द्वारा खनिज संपदा के संरक्षण के साथ-साथ वैध खनन एवं परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

सुशासन की दिशा में प्रशासन की सक्रिय पहल

राज्य सरकार की सुशासन नीति के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग नियमों के दायरे में हो और अवैध गतिविधियों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए।

खनिज विभाग की लगातार कार्रवाई से अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि नियमों का उल्लंघन करने पर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल वाहनों की जब्ती तक सीमित नहीं है, बल्कि खनिज संसाधनों के अवैध दोहन पर प्रभावी अंकुश लगाना, शासन के राजस्व की सुरक्षा करना और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना भी है।

लगातार जारी रहेगी निगरानी और कार्रवाई

खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं खनिजों के अनधिकृत उपयोग की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभागीय अमला विभिन्न क्षेत्रों में नियमित जांच एवं कार्रवाई कर रहा है।

आने वाले दिनों में भी अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस कार्रवाई में खनि निरीक्षक सुजीत कंवर, शिवकुमार लहरे, सतीश साहू एवं सैनिक साहिब गनी शामिल रहे।

लिफ्ट के बहाने युवक से चाकू की नोक पर लूट ऑनलाइन ट्रांसफर कराए 4 हजार, 2 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। नैला चौकी क्षेत्र में लिफ्ट देने के बहाने युवक से चाकू की नोक पर लूट और मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक का मोबाइल लूटने के साथ ही उसके खाते से जबरन 4 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए थे। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 15 हजार रुपये कीमत का लूटा गया मोबाइल, घटना में इस्तेमाल चाकू और पेचकस बरामद किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम कन्हाईबंद निवासी मुकेश पटेल ने नैला चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 30 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे वह नैला स्थित देसी शराब दुकान पर गया था। वहां से मोटरसाइकिल से घर लौटते समय रास्ते में दो युवकों ने उससे लिफ्ट मांगी। मुकेश ने दोनों को अपनी बाइक पर बैठा लिया।

कुछ दूर जाने के बाद दोनों युवकों ने बाइक रुकवाई और चाकू दिखाकर रुपये की मांग की। मुकेश के पास नकद पैसे नहीं होने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और मोबाइल छीन लिया। इसके बाद आरोपियों ने मोबाइल के माध्यम से उसके खाते से जबरन 4 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए और मौके से फरार हो गए।

घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद नैला चौकी पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदेह के आधार पर शरद कुमार सूर्यवंशी (23) और भानुप्रताप सूर्यवंशी (23) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों ने लूट और मारपीट की घटना में शामिल होना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल, वारदात में इस्तेमाल चाकू और पेचकस बरामद कर जब्त कर लिया।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की जांच और आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

दूसरी बार शराब पीकर गाड़ी चलाई, 15 हजार जुर्माना

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा में दूसरी बार शराब पीकर गाड़ी चलाना एक युवक को महंगा पड़ गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जांजगीर-चांपा की अदालत ने आरोपी विजय सूर्यवंशी पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही उसे एक महीने सामुदायिक सेवा करने की सजा भी सुनाई गई है। यातायात विभाग ने विजय सूर्यवंशी को शराब के नशे में गाड़ी चलाते पकड़ा था। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने दूसरी बार शराब पीकर वाहन चलाया था। कोर्ट ने मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत आरोपी पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

लेन-देन के विवाद पर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के चिखली चौकी क्षेत्र में उधारी और प्रॉपर्टी विवाद ने एक शख्स ने अपने ही दोस्त की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार, मोतीपुर रामनगर निवासी 30 वर्षीय अर्जुन वाधवानी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था. अर्जुन का अपने ही दोस्त सुनील वर्मा (30) के साथ लंबे समय से पैसों के लेन-देन, प्रॉपर्टी और एक मोटरसाइकिल को लेकर विवाद चला आ रहा था। इसी रंजिश के तहत आरोपी सुनील ने बुधवार, 2 सितंबर की रात अर्जुन को फोन करके अपने किराए के मकान पर बातचीत के लिए बुलाया।

कमरे में बातचीत के दौरान दोनों के बीच पुरानी बातों को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर सुनील ने डंडे से अर्जुन के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे अर्जुन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

वारदात के बाद आरोपी ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को बेडशीट से ढका और बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया। वह शव को कहीं और ठिकाने लगाने की योजना बना रहा था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस को मामले की गुप्त सूचना मिल गई। खबर मिलते ही पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तो वहां मौजूद आरोपी सुनील ने ताला खोलने का विरोध करते हुए अंदर कुछ भी न होने का दावा किया। पुलिस को उसकी गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया तो अर्जुन का शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही फॉरेंसिक और डॉग स्क्वाड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर फिंगरप्रिंट और खून के नमूने समेत महत्वपूर्ण सबूत जुटाए हैं।

मामले की पुष्टि करते हुए राजनांदगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर ने बताया कि शुरुआती तफ्तीश में पैसों के लेन-देन और बाइक को लेकर हुए विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई और पूछताछ की जा रही है।

दीवार पर सुसाइड नोटः परिजनों के बयान से खुला प्रताड़ना का राज, बहू समेत उसके माता-पिता गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामला दिनांक 27.08.2026 का है, जब लक्ष्मी बाई मानिकपुरी ने अपने घर के पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

घटना की सूचना पर थाना कोतवाली कोरबा में मर्ग क्रमांक 66/2026 कायम कर जांच शुरू की गई। मर्ग जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल पर दीवार पर सुसाइड नोट लिखा हुआ मिला। इस सुसाइड नोट में मृतका ने अपनी बहू पूर्णिमा और उसके मायके पक्ष के लोगों द्वारा परेशान किए जाने के कारण आत्महत्या करने का उल्लेख किया था। जांच में

पुष्टि हुई कि वह लेख मृतका ने ही लिखा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मृतका ने आत्महत्या से पूर्व अपनी बहनों को एक वीडियो बनाकर भेजा था। पुलिस ने उक्त वीडियो को जब्त कर पंचनामा तैयार किया। साथ ही मृतका की बहनों, परिजनों और अन्य संबंधित लोगों के कथन दर्ज किए गए।

कथनों से पता चला कि मृतका के पति की पूर्व में मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद मृतका ने दूसरी शादी की थी और वह अपने वर्तमान पति और उसके पूर्व के बच्चों के साथ रह रही थी। परिजनों ने बताया कि मृतका की बहू पूर्णिमा और उसके मायके पक्ष के लोग अक्सर घर आकर मृतका को घर से बाहर निकालने के लिए दबाव बनाते थे, जिससे मृतका काफी परेशान रहती थी।

पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पूर्णिमा महंत पति संजय दास उम्र 24 वर्ष निवासी लक्ष्मण तालाब, सुमेरन बाई पति मिलनदास महंत उम्र 45 वर्ष निवासी सोहागपुर थाना उरगा, और मिलन दास पिता सोनदास उम्र 55 वर्ष निवासी सोहागपुर को गिरफ्तार किया। तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है।

एनएच पर सड़क हादसाः भिलाई में कोसानाला के पास बाइक सवार की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में कोसनाला के पास गुरुवार को सड़क हादसे में 56 वर्षीय रेलवे कर्मचारी रविशंकर भारती की मौत हो गई। वह बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक अन्य युवक भी घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया। गंभीर चोट लगने के कारण रविशंकर भारती की मौत हो गई।

उनका शव पोस्टमार्टम के लिए

सुपेला अस्पताल लाया गया है। पुलिस के अनुसार अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि बाइक को किस वाहन ने टक्कर मारी। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ के साथ पुलिस आसपास लगे कैमरों की तस्वीरें भी देख रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा किस समय हुआ और टक्कर मारने वाला वाहन किस दिशा में गया।

पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के दुकानदारों और सड़क से गुजरने वाले लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

दहेज के नाम पर विवाहिता को ससुराल पक्ष में प्रताड़ित किया, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। रायगढ़ जिले में एक विवाहिता को दहेज के लिए ससुराल पक्ष के लोगों ने प्रताड़ित किया। पति ने दहेज में कैश, बाइक और जेवरात की मांग की। डिमांड पूरी नहीं होने पर महिला के साथ मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया गया। माहौपाली खरसिया चौकी क्षेत्र निवासी सलीमा टोप्पो (37) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसकी शादी 18 मई 2022 को स्वर्णदीप एक्का से हुई थी। शादी के एक-दो दिन बाद से ही पति, ससुर सरदार राम, जेठ अमरदीप और सास हराज्योति एक्का दहेज नहीं लाने की बात को लेकर उसे ताना मारने लगे। कुछ माह बाद महिला गर्भवती हो गई। पति ने उस पर बच्चा गिराने के

लिए दबाव बनाया। महिला ने ऐसा करने से मना किया तो पति उसके साथ मारपीट करने लगा। आरोप है कि जेठ, सास और ससुर भी पति का साथ देते हुए महिला से गाली-गलौज और मारपीट करते थे। महिला थाना प्रभारी ने मामले में काउंसिलिंग भी कराई, लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी। ऐसे में पीड़िता के लिखित आवेदन पर पुलिस ने उसके पति, सास, ससुर और जेठ के खिलाफ धारा 85, 115(2), 296, 351(3) और 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दुर्ग, (छ.ग.)

ईश्तहार सूचना प्रकाशन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, खाद्य नियंत्रक दुर्ग, जिला (छ.ग.) के द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3.7 में आवेदक छ.ग. शासन द्वारा खाद्य नियंत्रक (खाद्य शाखा) जिला-दुर्ग विरूद्ध श्री शिव कुमार (वाहन चालक) पता- पूनम राईस मिल इंडस्ट्रीज दुर्ग अन्य 02 के अंतर्गत सतर्क एप में प्राप्त अलर्ट विवरण ''वाहन नम्बर की एक से अधिक गाड़िया सक्रिय पाई गई है। जिसे पकड़े जाने पर नीचे वर्णित जप्तशुदा वाहन को अधिनियम की धारा 3.7 के अंतर्गत अधिहरण राजसात करने हेतु प्रतिवेदित किया गया है। जिस पर इस न्यायालय में प्रकरण संस्थित कर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जिला-दुर्ग से वाहनस्वामी की जानकारी लिया गया है।

स. क्र.	प्रकरण क्रमांक/वर्ष	अनावेदक का नाम/पता	जप्त वाहन का प्रकार	वाहन नंबर	वाहन चालक का नाम/पता
1.	202601100100001	श्री शिव कुमार (वाहन चालक) पूनम राईस मिल इंडस्ट्रीज दुर्ग	ट्रक	सी.जी.-07 एच-1721	श्री शिव कुमार (वाहन चालक) पूनम राईस मिल इंडस्ट्रीज दुर्ग

उक्त् जप्तशुदा वाहन के वाहनचालक को अंतिम बार सूचित किया जाता है कि जप्तशुदा वाहन के संबंध में अपना पक्ष समर्थन प्रस्तुत करने हेतु स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत तिथि 07/09/2026 समय - 03:00 बजे न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दुर्ग के समक्ष उपस्थित होवे। अनुपस्थित रहने पर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-262703097/2

मनोरा में कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने कृषि विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखण्ड मनोरा में कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। अनुविभागीय अधिकारी कवच भगत के मार्गदर्शन में उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक निरीक्षक पूनम लाल केरकेट्टा एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मनोरा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई में दो प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाए जाने पर विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर कीटनाशक अधिनियम के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूइंग बिजनेसः आठ विभागों की 43 सेवाएं शामिल

अनुमति में विलंब हुआ तो स्वतः मंजूर हो रहे आवेदन, पीड़ित पक्षकार ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं शिकायत, जोखिम आधारित वर्गीकरण करने वाला पहला राज्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने छोटे और मध्यम उद्यमियों को सरकारी विभागों की सुस्ती से राहत देने के लिए कई प्रावधान किये हैं। इसके तहत आवेदन का समय पर निपटारा नहीं होने के सूरत में उसे स्वतः मंजूर मान लिया जाएगा। इसके साथ ही विभाग द्वारा परेशान किए जाने की सूरत में वह ऑनलाइन आवेदन कर सकेगा। क्रियान्वयन पर नजर रखने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद का गठन किया गया है जबकि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति बनाई गई है। जिला स्तरीय समितियों की अध्यक्षता संबंधित जिलों के जिलाधीश करेंगे। इस अधिनियम से लगभग 15 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उद्यमियों को अनुपालन लागत में कमी, त्वरित स्वीकृतियाँ, समयबद्ध सेवाएँ तथा व्यवसाय करने में सुगमता का लाभ मिलने की अपेक्षा है।

समयबद्ध और आसान होगी प्रक्रिया

कारोबार शुरू करने और संचालित करने के लिए अलग-अलग विभागों से मंजूरी लेने की प्रक्रिया अब आसान और समयबद्ध हो गई है। अधिनियम में आवास एवं पर्यावरण, संस्कृति, गृह, आबकारी, नगरीय प्रशासन, वाणिज्य एवं उद्योग, लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग से जुड़ी सेवाओं को शामिल किया गया है।

नगरीय निकायों व आबकारी सेवाएं भी शामिल

नगरीय निकायों से मिलने वाली ट्रेड लाइसेंस, पानी का कनेक्शन, मोबाइल टावर की अनुमति जैसी सेवाएं भी इसके दायरे में रहेंगी। वहीं आबकारी विभाग की सूची में क्लब लाइसेंस, पर्यटन बोर्ड और एयरपोर्ट रेस्तरां बार लाइसेंस तथा विदेशी मदिरा के लेबल पंजीयन जैसी सेवाएं शामिल हैं।

ऑनलाइन शिकायत का प्रावधान

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम में सेवा में देरी अनावश्यक दस्तावेज मांगने या प्रमाणीकरण से इनकार की स्थिति में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था भी होगी।

जोखिम के आधार पर वर्गीकरण

अधिनियम में सेवाओं को जोखिम के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। कम जोखिम वाली गतिविधियों में सेल्फ सर्टिफिक्रेशन के आधार पर बिना पूर्व भौतिक निरीक्षण के 15 दिन में मंजूरी दिया जाएगा। मध्यम जोखिम वाली सेवाओं में थर्ड पार्टी सर्टिफिक्रेशन के आधार पर प्रक्रिया पूरी होगी, जबकि उच्च जोखिम वाली गतिविधियों में निर्धारित मानकों के अनुसार जांच के बाद मंजूरी दी जाएगी।

क्यों पड़ी इस अधिनियम की जरूरत?

सरकारी विभागों में काम में सुस्ती, जटिल प्रक्रियाएं और अनुमतियों के कारण उद्योगों को महीनों दफ्तरों के चक्कर काटना पड़ता था। इससे उनकी लागत बढ़ती जाती थी। यह नए उद्योगों व व्यापार के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा रहा है। नए प्रावधान से इस पर रोक लगेगी। स्वत: मंजूरी का प्रावधान अधिकारियों की जवाबदेही तय करेगा। उन्हें 15 दिनों के भीतर निर्णय लेने पर मजबूर करेगा। इसी तरह कम जोखिम वाली सेवाओं में 'सेल्फ-सर्टिफिक्रेशन' और 'थर्ड-पार्टी वेरिफिक्रेशन' लागू होने से हर छोटी अनुमति के लिए होने वाली भौतिक जांच पर लगाम लगेगी।

लाइसेंस प्रणाली का सरलीकरण

जोखिम-आधारित अनुपालन व्यवस्था लागू कर अनेक मामलों में लाइसेंस एवं परमिट के वार्षिक नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अधिनियम के अंतर्गत स्व-घोषणा के आधार पर जल कनेक्शन, औद्योगिक समितियों का समयबद्ध पंजीकरण तथा स्व-प्रमाणन या अधिकृत विशेषज्ञों के माध्यम से भवन मानचित्रों की स्वीकृति का प्रावधान किया गया है।

जोखिम-आधारित वर्गीकरण वाला पहला राज्य

महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में पहले से ऑनलाइन क्लियरेंस और निश्चित समय-सीमा में 'डीम्ड अप्रूवल' का प्रावधान लागू हैं। छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम-2026 में इन प्रावधानों के अलावा जोखिम-आधारित वर्गीकरण किया गया है। कम-जोखिम वाले उद्यमों को त्वरित स्वीकृतियाँ, सरलीकृत अनुपालन तथा नियमित सरकारी निरीक्षण के स्थान पर स्व-प्रमाणन की सुविधा प्रदान की जाएगी। समय-सीमा के भीतर बड़े उद्योगों के आवेदन का निस्तारण नहीं होने पर उन्हें स्वत: स्वीकृत माना जाएगा। उद्यमी स्व-घोषणा प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा लाइसेंस प्राप्त अभियंताओं, वास्तुकारों एवं अन्य अधिकृत पेशेवरों से अनुपालन प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। इससे अनुपालन लागत और अनावश्यक विलंब में कमी आएगी।

स्वतः मंजूरी का प्रावधान

छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम-2026 में विभिन्न विभागों की कारोबारी सेवाओं के लिए तय समय में निर्णय लेने की व्यवस्था की है। निर्धारित समय-सीमा में सक्षम अधिकारी ने आवेदन पर फैसला नहीं किया तो उसे मंजूर माना जाएगा। इससे बिल्डिंग परमिशन, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, पानी कनेक्शन सहित कई सेवाओं के लिए लंबे समय तक कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी।

आठ विभागों की 43 सेवाएं शामिल

प्रथम चरण में आठ विभागों की 43 सेवाओं को इस अधिनियम के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिसे भविष्य में और विस्तारित किया जाएगा। अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिये त्रि-स्तरीय संस्थागत ढाँचा स्थापित किया गया है, जिसमें— मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति तथा संबंधित जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियाँ। इस अधिनियम से लगभग 15 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उद्यमियों को अनुपालन लागत में कमी, त्वरित स्वीकृतियाँ, समयबद्ध सेवाएँ तथा व्यवसाय करने में सुगमता का लाभ मिलने की अपेक्षा है।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास जरूरी - राज्यपाल रमेन डेका

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज, टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में अभी और बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री सहज रूप से उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। तकनीक के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुंचाने का वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है।

राज्यपाल डेका से लोक भवन में वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीम के सभी सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। टीम की उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किए जाने पर उन्होंने सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने समान अवसरः राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ऑडियो के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों को और व्यापक बनाने की जरूरत है, ताकि अधिक से अधिक दृष्टिबाधित विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल को 8 लाख से अधिक बार देखा गया वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल पर 107 से अधिक प्लेलिस्ट उपलब्ध हैं और इसे अब तक 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। टीम द्वारा विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित एवं उपयोगी अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। इस अवसर पर गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स की छत्तीसगढ़ हेड डॉ. सोनल राजेश शर्मा सहित वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

शारदा ने 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम द्वारा दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अभिनव अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका सुश्री के. शारदा के नेतृत्व में हुई। शारदा स्वयं अब तक 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी हैं। नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों के साथ इस कार्य में योगदान दे रहे हैं।

वन महोत्सव में केदार कश्यप का पर्यावरण संकल्प 'एक पेड़, एक जीवन' का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में गुरुवार को कोंडागांव जिले के विश्रामपुरी में आयोजित वनमंडल स्तरीय वन महोत्सव-2026 में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने मैंदा प्रजाति का पौधा रोपकर प्रदेशवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़, एक जीवन' का संकल्प दिलाते हुए प्रत्येक परिवार से वृक्षारोपण कर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में वन संरक्षण, हरित क्षेत्र विस्तार और जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संवर्धन के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधों की जिम्मेदारी लेने और प्रत्येक शासकीय संस्थान में हरित परिसर विकसित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने 'हमारा संकल्प-एक पेड़, एक जीवन; हरित भारत, स्वस्थ भारत' की शपथ ली। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए पौधों को राखी भी बांधी गई। वन मंत्री ने कहा कि बस्तर अब विकास और शांति के नए दौर में प्रवेश कर रहा है तथा लघु वनोपजों के संग्रहण एवं प्रसंस्करण से वनवासियों की आय बढ़ाने की दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नागरिकों से वृक्षों की कटाई रोकने और अधिकाधिक पौधे लगाने की अपील की। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को आर्थिक सहायता भी वितरित की गई। राज मोहिनी देवी अनुदान योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को 2.30 लाख रुपये, प्रतिभाशाली छात्रवृत्ति योजना के तहत छह छात्राओं को 1.20 लाख रुपये, तेंदूपत्ता संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संग्राहकों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। वहीं वन संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाली आठ संयुक्त वन प्रबंधन समितियों और 11 वन कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के लिए जागरूकता एवं सतर्कता अत्यंत आवश्यकः रामविचार नेताम

कृषि विश्वविद्यालय के अध्यापकों और विद्यार्थियों ने सीखे साइबर अपराध तथा साइबर ठगी से बचाव के तरीके, छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा कृषि विश्वविद्यालय में साइबर जागृति अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में यहां छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा साइबर क्राइम के संबंध में जन जागरूकता उत्पन्न करने हेतु संचालित साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन में कृषि विकास, किसान कल्याण तथा आदिम जाति मंत्री रामविचार नेताम इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय के प्रध्यापकों एवं विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के विभिन्न पहलुओं, साइबर ठगी के विविध रूपों तथा इनसे सुरक्षा हेतु अपनाए जाने वाले एहतियातों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा राज्य में साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण हेतु 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों, बैंक खाता धारकों, आम नागरिकों, वरिष्ठ नागरिकों आदि को साइबर अपराध तथा उससे बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रामविचार नेताम ने कहा कि पूरे देश में साइबर अपराध एवं साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेश के नागरिकों को साइबर अपराध में प्रति सचेत करने के लिए साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने इसके लिए छत्तीसगढ पुलिस की तारीफ की तथा अभियान की सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं। नेताम ने कहा कि डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के लिए जागरूकता एवं सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से साइबर अपराध, साइबर ठगी तथा इससे बचाव हेतु जागरूक एवं सतर्क रहने का आव्हान किया।

पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि देश में साइबर अपराध एवं ठगी के मामलों में पिछले चार सालों में 12 गुना वृद्धि हुई है जबकि इसी दौरान ठगी की राशि में 40 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार आज देश में प्रतिदिन 61 करोड़ रूपये की साइबर ठगी की जा रही है। उन्होंने कहा कि साइबर ठग, ठगी के नित नए तरीके ईजाद कर रहे हैं इसलिए लोगों को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा इसी बात को ध्यान में रखते हुए छः सप्ताह का साइबर जागृति अभियान संचालित किया जा रहा है।

कार्यशाला के दौरान रायपुर पुलिस के अधिकारियों द्वारा साइबर अपराध, साइबर ठगी तथा इससे बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम तथा आम नागरिकों को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर जागृति अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक साइबर सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी पहुंचाना तथा नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

वर्तमान डिजिटल युग में ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया, डिजिटल भुगतान एवं अन्य इंटरनेट आधारित सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों के मामले भी सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी नौकरी एवं निवेश योजनाओं तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बनाने का प्रयास करते हैं। साइबर जागृति अभियान के तहत नागरिकों को ऐसे अपराधों की पहचान करने एवं उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, कर्मचारियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों सहित समाज के विभिन्न वर्गों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड नंबर, पासवर्ड अथवा अन्य व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा अनजान कॉल या संदेशों के माध्यम से प्राप्त प्रलोभनों एवं धमकियों पर विश्वास न करें। साइबर अपराध या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में नागरिकों से तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल **www.cybercrime.gov.in** पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई है।

साइबर जागृति अभियान का उद्देश्य केवल साइबर अपराधों की जानकारी देना नहीं, बल्कि नागरिकों में सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की आदत विकसित करना भी है। जागरूकता और सतर्कता के माध्यम से ही साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। कार्यशाला में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक एवं कृषि महाविद्यालय रायपुर के अधिष्ठाता सहित विभिन्न संचालकगण, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950